● वर्ष-6
● अंक-89
रायपुर, रविवार
08 नवंबर 2026
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगछध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

स्वच्छ सर्वेक्षण
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

पेज-8>> रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा...

सिर्फ परिवार की चिंता कर रहे दोनों युवराज : नवीन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राहुल-अखिलेश को घेरा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कामकाज की तारीफ की। विपक्षी नेताओं राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी को देश में अराजकता फैलाने का टूलकिट बताया। अखिलेश यादव को माफियाओं का शागिर्द कहा। समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में भाजपा के प्रति लोगों के मन में भरोसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिस प्रकार से नेतृत्व मिला है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस प्रकार से केंद्र की योजनाओं को लागू को करने के साथ-साथ राज्य में भी कानून-व्यवस्था को एक नए आयाम पर ले गए, उसने जनता को एक भरोसे की सरकार दी है। नवीन ने कहा, मेरा ये मानना है कि वो विश्वास जनता के बीच में दिख रहा है। यही कारण है कि जनता का वो समर्थन हमें सड़कों पर भी दिख रहा है।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन की चर्चा को लेकर नवीन ने कहा, पहले भी ये लोग अपनी जुगलबंदी से आए हैं, लेकिन उस जुगलबंदी पर जनता का भरोसा नहीं है। जनता को मालूम है कि ये दो तथाकथित युवराज केवल अपनी चिंता में हैं। अपने परिवार



की चिंता में हैं। इनको उत्तर प्रदेश की जनता से कोई लेना देना नहीं है। इनके साहेबजादे लोगों को भी मौका मिला तो तब भी इन्होंने केवल अपनी चिंता की। उत्तर प्रदेश के युवा, किसान, महिलाएं और मजदूर वर्ग को मालूम है कि ये जनता के लिए नहीं, बल्कि खुद के परिवार के लिए बने हुए लोग हैं। जेल में बंद समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां से हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की मुलाकात पर नितिन नवीन ने कहा, ये वही लोग हैं, जिन्होंने उत्तर प्रदेश की पहचान बनाई थी- वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया। हर जिले का एक छत्रप होता था। जिस छत्रप के माध्यम से सरकार में पहुंचते थे। बाद में जब भाजपा की सरकार बनी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था को कड़ाई के साथ लागू किया और इन माफियाओं को जेल के रास्ते दिखाए।

लंबे समय से टोपी से परहेज कर रहे हैं अखिलेश यादव

उन्होंने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा, कल तक ये लोग टोपी पहनकर राजनीति करते थे। पिछले लंबे समय से टोपी से परहेज कर रहे हैं। यूपी की जनता भूली नहीं है कि प्रभु श्रीराम के मंदिर के निर्माण में इन्होंने कितने कितने कारनामे किए हैं। ये बहुरुपिए देश को ठगने निकले हैं।उन्होंने कहा, संघ ने एक विचारधारा और संकल्प को लेकर सौ वर्षों तक काम किया है। ये सामान्य बात नहीं है। ये सौभाग्य है कि उसी संघ के एक प्रचारक देश के प्रधानमंत्री बने। उन्होंने दावा किया, 25 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर आए हैं। ये मेरे प्रधानमंत्री की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मोदी जी ने प्रो इंकंबेंसी (सत्ता के प्रति जनता का समर्थन) क्या होता है, इसको सुनिश्चित किया। इस देश में हमारे सैनिकों के सर काट लिए जाते थे और दिल्ली में बैठी सरकार मौन रहती थी। मगर आज हमारे मोदी जी के नेतृत्व में कोई आंख उठाने की भी हिम्मत नहीं करता है।कभी भारत को पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में गिना जाता था, लेकिन आज भारत दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

राहुल गांधी को बताया अराजकता पैदा करने का टूलकिट

लोकसभा में विपक्ष के नेता पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, राहुल गांधी इस देश को अस्थिर करने के लिए, इस देश में अराजकता पैदा करने के लिए एक टूलकिट के रूप में यूज हो रहे हैं। इस देश का लोकतंत्र ऐसे अराजकतावादी सोच के लोगों को, ऐसे नक्सलवादी सोच के लोगों को जवाब देना जानता है। उन्होंने आगे कहा, राहुल संघर्ष करके नहीं आए हैं। वे चाहते हैं कि परिवार का राज चलता रहे। उन्होंने इस देश के लोकतंत्र को अपने परिवार का राज समझ लिया है। नवीन ने कहा, राहुल गांधी ने केरल से लेकर वर्तमान लोकसभा तक विकास के नाम का एक पत्थर नहीं लगाया है। उनके खुद के नाम की एक उपलब्धि नहीं है। राहुल गांधी को जवाब देने के लिए पार्टी का एक मंडल अध्यक्ष काफी है। इसके लिए हमारे नेता को आने की आवश्यकता नहीं है। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि राजीव गांधी फाउंडेशन को विदेशी फंडिंग के जरिए चलाने वाले लोग देश में अपनी कहानी गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसा संभव नहीं है। नितिन नवीन ने कहा, पंजाब में हम अपने बल पर वहां के विषयों को उठा रहे हैं।



दिवाली पूजा : शाम में मुहूर्त 7.50 बजे तक

दिवाली का त्योहार बड़े ही उमंग के साथ मनाया जाएगा। 8 नवंबर को पूरा देश दिवाली मनाएगा। दिवाली के दिन दीपक जलाकर श्री गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा करने का विधान है। हर साल कार्तिक अमावस्या के दिन शाम के समय भगवान गणेश और लक्ष्मी माता की पूजा की जाती है। इस साल कार्तिक कृष्ण अमावस्या दो दिन पड़ रही है। दिवाली की पूजा शाम में अमावस्या तिथि में की जाती है। इस साल आयुष्मान् योग और स्वाती नक्षत्र में धन की देवी की पूजा होगी। हिंदू पंचांग के अनुसार, अमावस्या तिथि 8 नवंबर, 2026 को सुबह 11.27 बजे शुरू होगी, जिसका समापन 9 नवंबर को दोपहर 12.31 बजे तक होगा। प्रदोष काल में 8 नवंबर के दिन अमावस्या तिथि मिल रही है। ऐसे में शास्त्र अनुसार दिवाली की पूजा प्रदोष और रात्रि व्यापिनी अमावस्या के संयोग में 8 नवंबर को की जाएगी।

शाम में दिवाली पूजा का 1 घंटा 56 मिनट का मुहूर्त 7.50 बजे तक, जानें कैसे करें लक्ष्मी पूजा। लग्न के अनुसार दिवाली के पूजा मुहूर्त। प्रदोष काल में शाम 05.31 बजे से रात 08.09 बजे तक। घर में पूजा का श्रेष्ठ मुहूर्त स्थिर लग्न में शाम में 5.24 से शाम 7.20 तक रहेगा। वृषभ काल में शाम 05.54 बजे से शाम 07.50 बजे तक। मध्याह्न मुहूर्त (कुंभ लग्न) दिन में 12.47 से दिन में 2.17 बजे तक रहेगा।

शुभकामनाएं

दीपावली के पावन अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों, समाचार पचीसा के सुधि पाठकों एवं शुभचिंतकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

-संपादक

अवकाश सूचना

दीपावली के अवसर पर समाचार पचीसा कार्यालय में 8-9 नवम्बर रविवार-सोमवार के दिन अवकाश रहेगा। पाठकों को समाचार पत्र का अगला अंक 11 अक्टूबर को प्राप्त होगा।

-संपादक



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्यपाल रमेन डेका को दी दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

जिन लोगों ने राम को अपमानित किया वो संतों से माफी मांगें : योगी

अयोध्या। दीपोत्सव के मौके पर अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच से अयोध्या की भव्यता और त्रेतायुग की स्मृतियों का स्मरण करते हुए कहा कि आज की अयोध्या उसी त्रेतायुग की याद दिलाती है, जब 14 वर्ष का वनवास पूरा कर प्रभु श्रीराम, माता जानकी, अनुज लक्ष्मण और पवनसुत हनुमान के साथ अयोध्या लौटे थे। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास की चौपाई अवधपुरी अति रुचिर बनाई, देवन्ह सुमन बृष्टि नभ लाई का उल्लेख करते हुए कहा कि आज अयोध्या में बिल्कुल वैसा ही अलौकिक दृश्य दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से रामलला के विराजमान होने के समय भी आसमान से पुष्पवर्षा का ऐसा ही दिव्य दृश्य देखने को मिला था। सीएम योगी ने बिना नाम लिए अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा कि सुनने में आया है कि कुछ लोग अयोध्या आना चाहते हैं। लेकिन अयोध्या आने से पहले वह साधु संतों से माफी मांग लें। यह वही लोग हैं जिन्होंने कारसेवकों पर गोली चलावाई थीं।

कड़े तेवर और स्पष्ट संदेश देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि अब अयोध्या कभी कर्फ्यू के दायरे में नहीं आएगी। यहाँ कोई भी असामाजिक तत्व दंगा-फसाद करने का दुस्साहस नहीं कर सकेगा। अयोध्या को अब कोई उपेक्षित नहीं कर सकता और न ही यहाँ के संतों का अपमान करने या रामभक्तों पर गोली चलाने



का पुराना दौर दोबारा लौट सकता है। उन्होंने कहा कि इसी संकल्प और संदेश को दोहराने के लिए वे आज दीपोत्सव के मंच पर उपस्थित हैं।

दीपोत्सव की ऐतिहासिक उपलब्धि का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने बताया कि मात्र 25 हजार दीपों से शुरू हुआ यह पावन आयोजन आज 25 लाख की सीमा पार कर चुका है। महामहिम राष्ट्रपति के करकमलों से दीप प्रज्वलन के पश्चात अयोध्या धाम में कुल 30 लाख दीप प्रज्वलित किए गए हैं, जो पूरी दुनिया को भगवान राम के प्रकाश से आलोकित कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रपति की व्यस्तताओं के बावजूद दीपोत्सव-2026 में सहभागिता करने पर उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, पूज्य संतों और अन्य विशिष्ट अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या की यह पावन शक्ति और श्रीराम की चेतना ही वास्तव में भारत की असली चेतना है। यही हमारी संस्कृति और संस्कार हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

राकांपा गुटों के विलय का फैसला दोनों दल खुद लेंगे

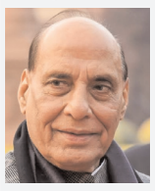
नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार के विलय की अटकलों के बीच शनिवार को कहा कि दोनों स्वतंत्र दल हैं और इस संबंध में कोई भी फैसला



खुद लेंगे। फडणवीस ने नागपुर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अगर ऐसा कोई कदम उठाने पर विचार किया जाता है, तो भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से सलाह ली जाएगी। उन्होंने यह टिप्पणी राकांपा नेता सुनील तटकरे के हालिया बयान और इन खबरों के बारे पूछे जाने पर कि दोनों गुटों के बीच साथ आने की संभावनाओं को लेकर बातचीत हो रही है। फडणवीस ने कहा कि दोनों अलग-अलग राजनीतिक दल हैं और अपने फैसले खुद लेंगे। राकांपा (शप) का नेतृत्व शरद पवार करते हैं और यह पार्टी महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) का हिस्सा है। वहीं, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार राकांपा की प्रमुख हैं और यह पार्टी राज्य में सत्ताधारी गठबंधन 'महायुति' में शामिल है।

पूर्वोत्तर आखिरी नहीं, देश का पहला सिरा : राजनाथ सिंह

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित सुकना मिलिट्री स्टेशन पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर (33 कोर) के जवानों के साथ दिवाली का पावन पर्व बड़े ही उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने



सैनिकों के साथ पारंपरिक बड़ा खाना में हिस्सा लिया और उनके साथ रात्रिभोज भी किया। जवानों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि वे यहां किसी औपचारिक दौरे पर एक मंत्री की हैसियत से नहीं, बल्कि अपने परिवार के सदस्यों के बीच दिवाली की खुशियां बांटने आए हैं। उन्होंने सीमाओं की रक्षा में तत्पर सैनिकों के त्याग को नमन करते हुए देशवासियों और सरकार की तरफ से उनके परिवारों के कल्याण की पूरी जिम्मेदारी लेने का आश्वासन दिया। अपने संबोधन के दौरान राजनाथ सिंह ने सुरक्षा परिदृश्य में आ रहे तेजी से बदलावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सुकना केवल एक सामान्य सैन्य स्टेशन नहीं है, बल्कि यह पूर्वी भारत की संपूर्ण सुरक्षा संरचना की एक बेहद महत्वपूर्ण कड़ी है।

हिम्मत है तो मेरी छाती पर बुलडोजर चलाओ: ममता

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर गुंडागर्दी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी के आवास पर कथित हमले के बाद, बदमाशों के एक गिरोह



ने कोलकाता के कालीघाट इलाके में काली पूजा के आयोजन पर हमला कर दिया। अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि रात करीब 2 बजे उनके घर पर हमला हुआ, जिसके बाद पुलिस उनके आवास पर पहुंची। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, ममता बनर्जी ने काली पूजा और दिवाली से पहले इलाके में पारंपरिक पूजा के आयोजन में की गई कथित बाधा पर सवाल उठाए। कल काली पूजा और दिवाली है। कल रात 2:00 बजे अभिषेक बनर्जी के घर पर हमला किया गया। यह हमारा इलाका है, जहाँ से देवी काली के कई जुलूस गुजरते हैं। आप लोग ऐसी गड़बड़ी क्यों पैदा कर रहे हैं? आपने हमारी पारंपरिक और लंबे समय से चली आ रही पूजाओं की अनुमति रद्द कर दी है, जबकि नई पूजाओं को करने की इजाजत दे दी है।

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ खोला नया मोर्चा

फ्लोरिडा (अमेरिका)। अमेरिका ने ईरान के सैन्य सामान की आपूर्ति रोकने के लिए एक नई टास्क फोर्स बनाने का एलान किया है। इसका नाम टास्क फोर्स आयरन गेट रखा गया है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान जमीनी रास्तों का इस्तेमाल करके आधुनिक हथियार, दोहरे इस्तेमाल वाली तकनीक और प्रतिबंधित सामान दूसरे देशों तक पहुंचा रहा है। इसी पर रोक लगाने के लिए अमेरिका ने यह कदम उठाया है। अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने यह जानकारी दी। सेंटकॉम ने बताया कि यह टास्क फोर्स शनिवार को बनाई गई। इसका गठन सेंटकॉम के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर के निर्देश पर हुआ। इस टीम में करीब 20 नागरिक और सैन्य अधिकारी शामिल होंगे। इसका मुख्यालय फ्लोरिडा के टाम्पा में होगा। सेंटकॉम के मुताबिक, नई टास्क फोर्स अमेरिकी सरकार की दूसरी एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगी। इसका मकसद ईरान की जमीन से लगी सीमाओं और कैस्पियन सागर के रास्ते होने वाली अवैध गतिविधियों को रोकना है। टीम आधुनिक हथियार प्रणालियों, दोहरे इस्तेमाल वाली तकनीक और प्रतिबंधित सामान की आवाजाही पर नजर रखेगी। इसके अलावा, अवैध तरीके से होने वाली कमाई के प्रवाह को भी रोकने की कोशिश करेगी।

एटीएस ने पकड़े 14 बांग्लादेशी, भेजे गए डिटेंशन सेंटर

गुरुग्राम। एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) गुरुग्राम ने शुक्रवार रात 14 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। ये सभी भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। पुलिस अधीक्षक एटीएस वरुण सिंगला के नेतृत्व में यह बड़ी कार्रवाई की गई है। यह अभियान भारत सरकार के दिशा-निर्देशों और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाया गया। यह कार्रवाई एटीएस गुरुग्राम, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) नूंह और एसओजी रोहतक की संयुक्त टीम ने की। जांच में हिरासत में लिए गए सभी 14 व्यक्तियों के पास बांग्लादेश से संबंधित पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज मिले। प्रारंभिक जांच में एक के पास फर्जी वीजा मिला। वहीं अन्य किसी के पास कोई दस्तावेज नहीं मिला। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों की पहचान मोहम्मद लुतफोर रहमान (17), मोहम्मद राजू मियां (20), साकिब हुसैन (18) और मोहम्मद तारेकुल इस्लाम (17), इलियास अली (18), मोहम्मद फेरुज इस्लाम (19), मोहम्मद अनारुल हक (30) और साकिब राणा (19), गुलाम रब्बानी (23), मोहम्मद ज्वेल राणा (20), अनवर हुसैन (37), आरिफुल उर्फ अलाउद्दीन (22), मोहम्मद मसूद राणा (27) और राजू आलम (28) के रूप में हुई है। ये सभी बांग्लादेश के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी हैं।

राजीव गांधी के पीएम बनने के फैसले पर सोनिया को हुआ था गहरा आघात

नयी दिल्ली। मुझे ऐसा लगा, जैसे सीधे मेरे दिल में छुरा घोंप दिया गया हो,卐 कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपने संस्मरण में यह बात उस पल का जिक्र करते हुए कही है जब राजीव गांधी ने उन्हें बताया था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या वाले दिन ही उनसे प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने को कहा गया था। सोनिया गांधी ने अपने पति की जान को खतरा की आशंका जताते हुए जब उनसे प्रधानमंत्री नहीं बनने का आग्रह किया, तो राजीव गांधी का जवाब था, ''वे वैसे भी मुझे मार डालेंगे।'' उनके संस्मरण 'बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव' में इस तरह के कई और अहम पलों का जिक्र है। 'हार्परकॉलिन्स इंडिया' द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक 10 नवंबर को बाजार में उपलब्ध होगी। ब्रिटेन में प्रकाशित होने वाले समाचार पत्र द गार्डियन में छपे इस पुस्तक के अंश के अनुसार, सोनिया गांधी ने 31 अक्टूबर 1984 के उस दुखद दिन की घटनाओं का वर्णन किया है, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की अपने ही अंगरक्षकों ने उनके 1, सफदरजंग रोड आवास पर हत्या कर दी थी। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने संस्मरण में लिखा, ''मैं अपने कमरे में वापस आई, तभी मेरी सास घर के बगल वाली इमारत में स्थित अपने दफ्तर के लिए निकलीं। मैं नहाना शुरू करने ही वाली थी कि मुझे धमाकों की आवाज सुनाई दी, पटाखों जैसी, पर कुछ अलग तरह की।

मैं वहीं ठिठक गई।'' उन्होंने उस क्षण को याद करते हुए कहा, ''कोई मेरे बाथरूम के दरवाजे को जोर-जोर से पीट रहा है। यह बच्चों की आया, ओंगमू है, जो रो रही है। मेरा दिल जोर से धड़कने लगता है और मैं झटके से दरवाजा खोलती हूं। वह बिना कुछ बोले, हाथों के इशारे से बगीचे की तरफ इशारा करती है।'' सोनिया गांधी ने इस हत्याकांड के बारे में पुस्तक में लिखा है, ''मैं अकबर रोड की तरफ जाने वाले रास्ते पर दौड़ पड़ी। मैंने देखा कि एक सफेद एम्बेसडर कार उसी रास्ते पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। मैं ठिठक



गई। मन में काफी डर, घबराहट और दहशत पैदा हो गई। मेरा दम घुटने लगा। मैं सांस नहीं ले पा रही थी। ऐसा लगा कि मैं वहीं गिर पड़ूंगी।'' संस्मरण के अनुसार, उनके मन में यह विचार आता है कि ''नहीं, नहीं, मुझसे यह नहीं होगा। लेकिन मुझे कार तक जाना ही होगा।'' उन्होंने लिखा, ''मैंने देखा कि उन्हें उठाकर कार में ले जाया जा रहा है। मैं सब समझ जाती हूं और चीख पड़ी।'' कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने उस पल के बारे में बताया, ''मैं अभी कार में हूं, दुबकी हुई, उनका चेहरा मेरी तरफ है।

खून, उनकी साड़ी खून से सनी हुई है, उनकी छाती से खून निकल रहा है। उनकी बड़ी-बड़ी आंखें पूरी खुली हुई हैं; चेहरे पर हैरानी के भाव हैं। (उनके) शरीर में कोई हरकत नहीं हो रही है। मैं उनसे बात करने की कोशिश करती हूं, मम्मी, मम्मी कहकर पुकारती हूं, लेकिन मुंह से कोई शब्द नहीं निकलता। मैं फिर कोशिश करती हूं। वह कोई जवाब नहीं दे रहीं।'' सोनिया गांधी ने बताया कि इंदिरा गांधी के सहयोगी कार के आगे वाले हिस्से में थे और चिल्ला रहे थे; भारी और धीमी ट्रैफिक के कारण कार बहुत मुश्किल से आगे बढ़ पा रही थी। उन्हें याद है कि कार में कोई सायरन नहीं था और रास्ते में एक के बाद एक, कई ट्रैफिक सिग्नल आए थे। सोनिया गांधी ने उस मार्मिक क्षण के बारे में लिखा, ''फिर अस्पताल पहुंची। गेट नहीं खुल रहा है।

अफरा-तफरी मची है। हमें रोक दिया जाता है। कोई खिड़की से सवालिया नजरों से देखता है। वे हमें अंदर जाने देते हैं। हम आपातकालीन विभाग पहुंचते हैं, जो लोगों से खचाखच भरा है। हमें फिर से रोक दिया जाता है, अंदर नहीं जाने दिया जाता। हमें अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। कोई व्यक्ति ड्राइवर को आवाज देता है और उसे आगे बढ़ने का इशारा करता है। वे हमें पहचान लेते हैं।

उन्हें (इंदिरा को) एक ट्रॉली पर लिटा दिया जाता है। हमें कहीं ले जाया जाता है, ऑपरेशन थिएटर? वे मुझसे साथ चलने को कहते हैं। मुझे पास के ही एक कमरे में ले जाया जाता है। नहीं, नहीं, मैं उसके पास रहना चाहती हूं, मैं जिद करती हूं। मैं जानना चाहती हूं। मुझे देखना है। वे कोई जवाब नहीं देते। वे अपनी आपातकालीन प्रक्रियाओं में पूरी तरह व्यस्त हैं।



दीपावली से पहले जुआरी एक्टिव, 1 दिन में 27 गिरफ्तार

बलौदा बाजार। दीपावली के त्योहार पर कानून व्यवस्था मजबूर बनाने रखने की कोशिशों में पुलिस जुटी है। ग्रामीण और शहरी इलाको में दीपावली पर बड़ी संख्या में जुआरी एक्टिव हो जाते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने इस बार खास तैयारी की है। पुलिस लगातार जुए के अड्डों पर दबिश दे रही है। पुलिस ने रिकॉर्ड कार्रवाई करते हुए 1 दिन में कुल 27 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए जुआरियों के पास से हजारों की नकदी जब्त की गई है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने भाटापारा ग्रामीण, पलारी, सिमगा, लवन, सुहेला इलाकों में दबिश देकर जुआरियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 27 लोगों सहित हजारों की रकम जब्त की है। पुलिस ने बताया कि वो जुए सट्टे के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई करती रहेगी। पकड़े गए लोगों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) सहित अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है।

इलेक्ट्रॉनिक दुकान में लगी भीषण आग, इलाके में मचा हड़कंप

बिलासपुर। शहर के करबला क्षेत्र में शनिवार को आहूजा टीवी सेंटर और साईं इलेक्ट्रॉनिक दुकान में भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पूरा मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सुरक्षा के मद्देनजर दुकानों के अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकाला गया। आग लगने के कारणों और नुकसान का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। दमकल की टीम आग पर काबू पाने में जुटी हुई है।

जज के खिलाफ स्वद्धक्रदर्ज करना टीआई को पड़ा भारी

बिलासपुर। न्यायधानी में सप्ताहभर पहले फैमिली कोर्ट के जज के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के मामले में सरकंडा थाना प्रभारी (टीआई) प्रदीप आर्य को तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया गया है। प्रदीप आर्य की जगह नरेश चौहान को सरकंडा थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि, एसएसपी रजनेश सिंह की ओर से जारी आदेश में कार्रवाई की वजह प्रशासनिक बताई गई है। बता दें कि बिलासपुर के राजकिशोर नगर स्थित निवासरत महासमुंद कुटुंब न्यायालय में पदस्थ न्यायाधीश प्रफुल्ल कुमार सोनवानी के साथ मारपीट का मामला सप्ताहभर पहले सामने आया था। जन्मदिन के जश्न के दौरान देर रात ढोल-नगाड़े बजाने और पटाखे फोड़ने से परेशान होकर न्यायाधीश प्रफुल्ल कुमार सोनवानी ने आपत्ति जताई थी। इस पर प्रॉपर्टी डीलर और उसके साथियों ने न्यायाधीश के साथ उनके परिजनों से गाली-गलौज करते हुए मारपीट की थी। मामले में प्रॉपर्टी डीलर और उसके साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी, वहीं दूसरे पक्ष की शिकायत पर भी मामला दर्ज किया गई थी।

दीपा सागर मौत का मामला: बाफना परिवार के समर्थन में उतरा बस्तर चेंबर ऑफ कॉमर्स



जगदलपुर। जगदलपुर में दीपा सागर की मौत मामले ने तूल पकड़ लिया है। 1 नवंबर को बाफना लाइफस्टाइल कपड़ा दुकान की छत पर मिला उसका शव आज भी कई सवालों को जन्म दे रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह हैंगिंग यानी फांसी बताई गई है। वहीं जेब से मिला सुसाइड नोट भी जांच का हिस्सा है, लेकिन अब इस मामले में मोबाइल फोन से जुड़ी जानकारी ने एक नया सवाल खड़ा कर दिया है। दूसरी ओर, बस्तर चेंबर ऑफ कॉमर्स ने भी पूरे मामले को लेकर अपना पक्ष रखते हुए निष्पक्ष जांच और बाफना परिवार की सुरक्षा की मांग की है। परिजनों के मुताबिक, दीपा एक नवंबर को रोजाना की तरह बाफना लाइफस्टाइल दुकान में काम करने गई थी। शाम करीब 6 से 6:30 बजे के बीच वह दुकान से कहीं चली गई। इसके बाद परिवार का उससे संपर्क नहीं हो पाया। परिजनों के अनुसार, शाम 5 बजकर 38 मिनट पर दीपा के भाई ने उसके मोबाइल पर फोन किया था। दोनों के बीच करीब 2 मिनट 38 सेकंड तक बातचीत हुई, लेकिन रात 8 बजकर 47 मिनट पर जब भाई ने दोबारा उसी नंबर पर कॉल किया, तो दूसरी तरफ दीपा नहीं, बल्कि बाफना हाउस का एक कर्मचारी था। कर्मचारी ने बताया कि दीपा कहीं चली गई है। इसके अगले दिन यानी 2 नवंबर को दुकान की छत पर दीपा का शव बरामद हुआ। परिजनों का आरोप है कि दीपा के मोबाइल में 29 अक्टूबर के बाद की व्हाट्सऐप चैट मौजूद नहीं है। वहीं एक नवंबर की कुछ महत्वपूर्ण कॉल डिटेल भी नहीं मिल रही हैं। परिवार अब यह जानना चाहता है कि मोबाइल में यह जानकारी क्यों नहीं है? क्या यह तकनीकी वजह से हुआ या फिर मोबाइल से किसी तरह की छेड़छाड़ हुई है? फिलहाल ये परिजनों की आशंकाएं और आरोप हैं, जिनकी पुष्टि होना बाकी है। पुलिस ने मोबाइल फोन जब्त कर लिया है और उसकी फॉरेंसिक जांच के साथ कॉल डिटेल रिकॉर्ड का विश्लेषण कराया जा रहा है। इधर, पुलिस जांच में सामने आए दो महत्वपूर्ण तथ्य भी इस मामले को समझने के लिहाज से अहम हैं। पहला, मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में हुए पोस्टमार्टम की रिपोर्ट, जिसमें डॉक्टरों ने मौत का कारण हैंगिंग यानी फांसी बताया है। रिपोर्ट में शरीर में किसी तरह की आंतरिक चोट नहीं मिलने और गले पर लिगेचर मार्क का उल्लेख किया गया है। दूसरा पोस्टमार्टम के दौरान दीपा की जेब से मिला सुसाइड नोट। पुलिस के मुताबिक, इस नोट में लिखा है 卐मैं अपने होशो-हवास में अपनी जान ले रही हूं, इसके लिए मेरे घर वालों और दोस्तों को परेशान ना करें।卐 पुलिस ने नोट जब्त कर लिया है और अब उसकी लिखावट तथा उसमें दर्ज बातों का विधिवत परीक्षण और सत्यापन कराया जा रहा है। ऐसे में नोट की प्रामाणिकता और उससे जुड़े तथ्यों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। वहीं घटनास्थल पर पुलिस और एफएसएल की टीम ने परिजनों की मौजूदगी में बारीकी से निरीक्षण किया। पूरे घटनास्थल की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई गई। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने पर पुलिस के अनुसार दीपा अकेले छत की ओर जाती दिखाई दे रही है। फिलहाल फुटेज में कोई संदिग्ध घटनाक्रम सामने नहीं आने की बात पुलिस ने कही है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल एसपी अंशिका जैन के नेतृत्व में पांच सदस्यीय विशेष जांच टीम गठित की गई है। टीम में कोतवाली थाना प्रभारी लीलाधर राठौर, साइबर प्रभारी सागर पाठक, एसआई रानी सोनी, एएसआई सतीश यादव और महिला प्रधान आरक्षक उमा भगत शामिल हैं। पुलिस दुकान और बिल्डिंग में काम करने वाले कर्मचारियों सहित अन्य संबंधित लोगों के बयान दर्ज कर रही है।बाफना परिवार से प्राप्त पत्र के बाद चेंबर ने आईजी, कलेक्टर और एसपी को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले में निष्पक्ष जांच और बाफना परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। चेंबर अध्यक्ष श्याम सोमानी का कहना है कि घटना के बाद बाफना परिवार ने संवेदना व्यक्त करते हुए तीन दिनों तक दुकान बंद रखी थी। उनका दावा है कि अब तक की पुलिस जांच में बाफना परिवार या दुकान के कर्मचारियों की कोई भूमिका सामने नहीं आई है। उन्होंने सुसाइड नोट और सीसीटीवी फुटेज का हवाला देते हुए कहा कि किसी को केवल आरोपों के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। हत्या की बात कहने मात्र से हत्या साबित नहीं होती, इसके लिए ठोस साक्ष्य जरूरी हैं।

बीजापुर में नक्सलियों का भारी विस्फोटक बरामद

बस्तर से नक्सलवाद का खात्मा होने के बाद लगातार सुरक्षा बलों को सफलता मिल रही है.

जमीन के नीचे मिला 955 डेटोनेटर, एंटी नक्सल ऑपरेशन में सफलतां



बीजापुर। 31 मार्च 2026 को बस्तर से नक्सलवाद का नाश हो गया। उसके बाद से लगातार बस्तर के जिलों में एंटी नक्सल ऑपरेशन के तहत सर्चिंग अभियान जारी है। इसी क्रम में 6 नवंबर 2026 को सुरक्षाबलों ने सर्चिंग में बड़ी सफलता हासिल की है। थाना उसूर क्षेत्र के अंतर्गत सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जमीन के नीचे छिपाकर रखा गया माओवादियों का विस्फोटक एवं इलेक्ट्रॉनिक सामग्री का डंप बरामद किया है। इस कार्रवाई में जिला बल और 204 कोबरा बटालियन की संयुक्त टीम को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। जंगल में जमीन के निचे छिपा कर रखे गये डंप से 455 इलेक्ट्रिक एवं 500 नग नॉन इलेक्ट्रिक डेटोनेटर बरामद किया गया है।

बीजापुर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 204 कोबरा बटालियन की आसूचना शाखा से इनपुट मिला था। इस इनपुट पर जवानों ने उसूर क्षेत्र के पुजारीकांकेर में ज्वाइंट सर्चिंग ऑपरेशन चलाया। अभियान के दौरान पुजारीकांकेर के दक्षिण-पूर्व दिशा में जंगल के भीतर जमीन के नीचे छिपाकर रखा गया संदिग्ध डंप मिला। तलाशी के दौरान 01 नग रिले कंट्रोल सर्किट बोर्ड, 01 नग स्नैप हुक एवं नक्सल साहित्य भी सुरक्षा बलों के हाथ लगा है। बरामद सामग्री को थाना उसूर पुलिस द्वारा विधिवत जब्त कर लिया गया है तथा मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

204 कोबरा बटालियन की आसूचना शाखा से प्राप्त सूचना पर जिला बल और कोबरा की संयुक्त टीम ने सुनियोजित तरीके से अभियान चलाकर इस डंप को बरामद किया। बड़ी मात्रा में डेटोनेटर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की बरामदगी को सुरक्षा बलों के लिए अहम है- राहुल बंसल, एएसपी, बीजापुर

455 नग इलेक्ट्रिक एवं 500 नग नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर सहित बैटरी चार्जर, मल्टीमीटर,मल्टी यूएसबी पोर्ट, मोबाईल चार्जर, एंटीना और रेडियोसेट मिला है। सुरक्षाबल के जवान इसे बड़ी सफलता मान रहे हैं।

युवती ने बुलाया चांपा, युवक से लूट लिए 40 हजार व सोने की अंगूठी

रायगढ़ । स्नेपचेट पर युवती से दोस्ती करना युवक को उस वक्त महंगा पड़ गया, जब मिलने के बहाने से चांपा बुलवा कर युवती ने अपने दोस्तों के साथ उससे सुनसान रास्ते पर उससे तकरीबन 40 हजार रूपए व सोने की अंगूठी लूट लिया। पीड़ित द्वारा रायगढ़ वापस आने के बाद सिटी कोतवाली में तदाशय की लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है जिस पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध जुर्म दर्ज कर उनकी पतासाजी प्रारंभ कर दी है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय पैलेस रोड तुर्कापारा निवासी मनीष वर्मा पिता भागीरथी वर्मा (उम्र 23 वर्ष) ने सिटी कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि स्नैप चैट के माध्यम से उसका परिचय पीहू नाम की लडक़ी से हुआ था उसके बाद वे दोनो दोस्त बन कर फोन पर अक्सर बातचीत करते थे । पीहू के द्वारा उसे कई दिनो से मैं चांपा में हूं मुझसे मिलने आओ कहने पर 4 नवंबर को मनीष अपने दोस्त अनुज प्रसाद के साथ अपनी कार (क्रमांक सी. जी. 13 ए. आर. 5738) से चांपा मिलने के लिये गया था जहां पीहू ने उससे मिलने के बाद अपने दोस्त को किसी ढाबा में छोड़ कर कहीं घूमने जाने की बात कही। इस पर वे तीनों मिशाल ढाबा पहुंचे जहां अनुज को छोडऩे के बाद पीहू उसे मड़वा प्लांट के पास ले गई। इस दौरान रात तकरीबन साढ़े 12 बजे 6 लडक़े उसकी कार के पास आये और चाकू दिखाते हुए मनीष को बाहर निकाले तथा उसके साथ मारपीट करते हुए पैसों की मांग किये। इस पर मनीष ने अपने दोस्त के जीजा से फोन पे पर 39 हजार 6 सौ रूपए मंगवा कर उन्हें दिया। बात सिर्फ रूपयों से नहीं बनी बल्कि युवकों ने उसके हाथ में पहनी हुई सोने की अंगूठी भी निकलवा कर ले ली। इधर जब मनीष ने पलट कर कार की ओर देखा तो पीहू भीतर बैठ कर शराब पीती हुई नजर आई जिससे उसे समझते देर नहीं लगी कि पीहू ने उसे फंसा कर अपने साथियों के साथ लूट लिया है।

न्यूज पोर्टल संचालक दीपक टंडन ब्लैकमेल मामले में गिरफ्तार



बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने एआई से तस्वीरें बदलकर आपत्तिजनक खबरें प्रकाशित करने के मामले में एक न्यूज पोर्टल संचालक को गिरफ्तार किया है। संचालक दीपक टंडन को सिरगिट्टी पुलिस ने रायपुर से किया गिरफ्तार किया है। दीपक टंडन पर द्ध के माध्यम से फर्जी तस्वीर लगाकर व्यक्ति और संस्थाओं की छवि धूमिल कर ब्लैकमेलिंग करने का आरोप है।

29 अक्टूबर 2026 को महाराणा प्रताप नगर, तिफरा निवासी मणिशंकर पांडेय ने थाना सिरगिट्टी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, उनकी तस्वीर को एआई तकनीक से परिवर्तित कर न्यूज़ पोर्टल एवं सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, भ्रामक और अपमानजनक शीर्षकों के साथ खबरें प्रकाशित की गईं। शिकायत में आरोप लगाया गया कि ऐसा उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और उन्हें ब्लैकमेल करने के उद्देश्य से किया गया।

गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पहले भी कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। प्रकरण में आरोपी के मोबाइल में हनी बैजर पोर्टल से संबंधित एवं अन्य कई आपत्तिजनक फोटो वीडियो और ऑडियो क्लिप प्राप्त होने पर आरोपी के दोनों मोबाइल भी जब्त किए गए हैं। ब्लैकमेलिंग एवं उगाही संबंधी आरोपों, डिजिटल सामग्री समेत अन्य नामजद आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है। विवेचना में प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

हाथियों ने की किसानों की फसल चौपट:वन विभाग अलर्ट

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। मरवाही वनमंडल क्षेत्र में 62 हाथियों के सबसे बड़े दल की मौजूदगी से ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है। हाथियों का झुंड इन दिनों अलग-अलग इलाकों में लगातार विचरण कर रहा है। इस बीच सोशल मीडिया पर ड्रोन से लिए गए एरियल व्यू का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पूरा दल बांध के पानी में उतरकर मस्ती और अठखेलियां करता साफ तौर पर देखा जा सकता है। पानी में नहाने के बाद हाथियों का यह दल पास के खेतों में पहुंच गया और धान की खड़ी फसल को रौंदकर भारी नुकसान पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक, मरवाही वनमण्डल के धवाई टिकरा में हाथियों का दल विचरण कर रहा है। इतनी बड़ी संख्या में हाथियों की आवाजाही से आसपास के गांवों के लोगों की चिंता बढ़ गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग का अमला और हाथी मित्र दल पूरी तरह अलर्ट पर है। वनकर्मियों की टीम लगातार हाथियों की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों के दल से सुरक्षित दूरी बनाकर रखें।

बिजली की रोशनी में चल रहा था जुआ, 5 रंगे हाथों पकड़ा

केसीजी। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में अवैध जुआ खेलने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। गंडई थाना क्षेत्र के ग्राम बिरनपुर कला में बिजली ऑफिस के पास बिजली की रोशनी में ताश के पत्तों से हार-जीत का दांव लगा रहे पांच लोगों को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और जुआ फड़ से कुल 1 हजार 640 रुपये नगद तथा ताश की 52 पत्तियां जब्त की हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 5 नवंबर 2026 को गंडई थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बिरनपुर कला स्थित बिजली ऑफिस के पास कुछ लोग एकत्र होकर जुआ खेल रहे हैं। बताया गया कि आरोपी बिजली के प्रकाश में ताश के 52 पत्तों का इस्तेमाल कर रुपये-पैसों का दांव लगा रहे थे। मौके पर काट पत्ती नामक हार-जीत का जुआ खेला जा रहा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की।

खनिज संपदा से संबंधित जानकारी का होगा सार्वजनिक अवलोकन

बालोद। जिले में खनिज संसाधनों से संबंधित जानकारी को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट 2026 का प्रारूप आम नागरिकों के अवलोकन के लिए उपलब्ध कराया है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा इस रिपोर्ट पर आम नागरिकों, संबंधित पक्षों एवं अन्य इच्छुक व्यक्तियों से दावा-आपत्ति और सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में स्वीकृत एवं संचालित खनन पट्टों तथा विभिन्नविभागों से प्राप्त संबंधित जानकारियों के आधार पर जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट-2026 तैयार की गई है। यह रिपोर्ट क्षेत्रीय प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यालय संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, सोनाखान भवन, नवा रायपुर ने तैयार की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट-2026 को जिले की आधिकारिक वेबसाइट एवं पब्लिक डोमेन में 21 दिनों के लिए प्रदर्शित किया है। इस दौरान आम नागरिक रिपोर्ट का अवलोकन कर उसमें दर्ज जानकारी के संबंध में अपने दावे, आपत्तियां एवं आवश्यक सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का दिव्या पुरी को स्नेहभरा पत्र

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर छात्रा दिव्या पुरी को पत्र लिखकर उन्हें राज्य स्थापना दिवस की उनको और उनके परिवार को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री का यह स्नेहभरा पत्र मिलने पर दिव्या पुरी ने इसे अपने जीवन का गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में दिव्या को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने पढ़ाई में मन लगाने, अपनी पसंद की राह चुनने और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने दिव्या के पिता द्वारा शिक्षा में सहयोग किए जाने और श्रम विभाग की नोनी सशक्तिकरण योजना से प्राप्त राशि का उपयोग पढ़ाई में होने पर प्रसन्नता जाहिर की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के संकल्प के अनुरूप बेटियों की शिक्षा को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में हुआ आंखों का सफल ऑपरेशन

जगदलपुर। देशभर में कल दीपावली का त्योहार मनाया जाएगा। रोशनी का ये त्योहार लोगों के जीवन में खुशियां लेकर आए ऐसी कामना हर किसी होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं, मोतियाबिंद जैसी खतरनाक बीमारी दिनों दिन अपने पांव पसारती जा रही है। मोतियाबिंद बीमारी की चपेट में आने से छत्तीसगढ़ में हर साल बड़ी संख्या में लोग आंखों की रोशनी से महरूम होते जा रहे हैं। आंखों की इस गंभीर बीमारी का सिर्फ एक इलाज है, ऑपरेशन लेकिन महंगे इलाज के दौर में कई लोग मोतियाबिंद का इलाज कराने से कतराते हैं। गांव कस्बे के लोगों को तो पता तक नहीं चलता है कि उनको मोतियाबिंद की बीमारी हो चुकी है। बुजुर्ग लोग सोचते हैं कि उम्र के साथ आंखों की रोशनी भी घटती जा रही है। मोतियाबिंद की बीमारी से लोगों को बचाने और उनका इलाज करने की जिम्मेदारी अब डिमरापाल मेडिकल कॉलेज ने उठा ली है। मेडिकल कालेज में 100 से ज्यादा मोतियाबिंद के मरीजों का सफल इलाज किया गया है।

जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता में मेधावी छात्रों ने लहराया परचम

जगदलपुर। जनजातीय गौरव सप्ताह के उपलक्ष्य में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार बस्तर जिले में जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। प्रयास आवासीय विद्यालय, जगदलपुर में आयोजित इस ज्ञान महाकुंभ में स्कूली और महाविद्यालयीन स्तर के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता और उत्कृष्ट प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

दो अलग-अलग श्रेणियों में आयोजित इस प्रतियोगिता के स्कूली वर्ग (कक्षा 9 वीं से 12 वीं) में प्रयास आवासीय विद्यालय जगदलपुर की छात्राओं का दबदबा रहा। विद्यालय की होनहार छात्रा कु. उत्पला ने 94 अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया, जबकि इसी संस्था की कु. निहारिका 68 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं दरभा विकासखंड स्थित एकलव्य



आवासीय विद्यालय छिन्दवाड़ा के छात्र संदीप नाग ने 66 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान सुनिश्चित किया। वहीं दूसरी ओर महाविद्यालयीन तथा पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं के सीनियर वर्ग में धरमपुरा स्थित पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

इस वर्ग में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा रिंकी नेताम ने 297 अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान पाया, जबकि बीए छठे सेमेस्टर की तुलसी देवी नेताम ने 284 अंक और पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर की फुलेश्वरी बघेल ने 224 अंक हासिल कर मेरिट सूची में अपनी जगह बनाई। इस सफल आयोजन ने न केवल अंचल के विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया, बल्कि जनजातीय संस्कृति, इतिहास और सामान्य ज्ञान के प्रति उनकी जागरूकता को भी नई दिशा दी। इस दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्री जीआर सोरी द्वारा प्रतियोगिता के समापन पर सभी मेधावी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

बेटियों के स्वाभिमान को मिल रही नई पहचान

बालिका शौचालय निर्माण में नंबर-1 बना धमतरी



धमतरी। बेटियों के सम्मान और सुविधा के मामले में धमतरी ने पूरे छत्तीसगढ़ में बाजी मार ली है। वीबी-जी रामजी योजना के तहत बालिका शौचालय निर्माण में धमतरी प्रदेश में पहले स्थान पर है। जिले के 8 स्कूलों में निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 335 शौचालय बनाने का लक्ष्य रखा गया है। धमतरी में बेटियों के स्वाभिमान को नई पहचान मिल रही है। स्कूलों में बालिकाओं के लिए सुरक्षित और सुविधायुक्त शौचालय बनाए जा रहे हैं। धुमा, उमरदा, चुही, सिहावा, परसट्टी, डोमा, अंगारा और कोटगांव के स्कूलों में निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इस अभियान की शुरुआत धुमा गांव से हुई थी, जहां जिले का पहला बालिका शौचालय बनाया गया। वहीं, 2 अक्टूबर को कोटगांव में आठवें शौचालय का लोकार्पण किया गया। खास बात यह है कि इन शौचालयों को गुलाबी रंग से सजाया गया है और इन पर लिखा है— 'मेरी बेटी, मेरा स्वाभिमान'। कोटगांव में करीब 4 लाख 30 हजार रुपये की लागत से बने शौचालय में पानी, हाथ धोने, रोशनी, वेंटिलेशन, सैनिटरी नैपकिन निपटान और रैंप जैसी सुविधाएं दी गई हैं। जिला प्रशासन का लक्ष्य जिले में कुल 335 बालिका शौचालयों का निर्माण करना है। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं की निजता, स्वच्छता, स्वास्थ्य और स्कूलों में नियमित उपस्थिति को बढ़ावा देना है। धमतरी की यह पहल बेटियों के सम्मान और बेहतर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

दीपावली मिलन समारोहः राहुल गांधी के निवास पर जुटे छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नेता

रायपुर। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी



के नई दिल्ली स्थित 5, सुनहरी बाग रोड निवास पर आयोजित दीपावली मिलन समारोह में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के तमाम दिग्गज नेता शामिल हुए। समारोह के दौरान मौजूद यूपीए की चेयरपर्सन व सांसद सोनिया गांधी, कांग्रेस महासचिव व सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, छत्तीसगढ़ प्रभारी व सांसद सुखदेव भगत सहित देशभर से आए वरिष्ठ नेताओं से छत्तीसगढ़ के नेताओं ने आत्मीय मुलाकात कर देश की वर्तमान राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों पर सार्थक चर्चा की। समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अलावा पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत समेत प्रदेश के अनेक दिग्गज कांग्रेस नेता मौजूद रहे। इस अवसर की तस्वीरें डॉ। चरण दास महंत ने सोशल मीडिया में साझा करते हुए कहा कि दीपावली हमें संदेश देती है कि अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, आशा और विश्वास का एक दीपक उसे मिटाने की शक्ति रखता है। आज जब देश के सामने नफरत, वैमनस्य और विभाजनकारी राजनीति की चुनौतियां हैं, ऐसे समय में प्रेम, सद्भाव, भाईचारा और आपसी एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं।

सीबीएसई की 10वीं और 12 वीं बोर्ड परीक्षाएं 16 फरवरी से

रायपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12 वीं बोर्ड परीक्षा 2027 के तिथियों की घोषणा कर दी है। दोनों क्लास की परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी। सभी पेपर सुबह 10:30 बजे से शुरू होंगे। बोर्ड के मुताबिक, 10वीं के छात्र 83 विषयों और 12वीं के छात्र 121 विषयों की परीक्षा देंगे। तिथि परीक्षा शुरू होने से 101 दिन पहले जारी की गई है। बोर्ड ने बताया कि परीक्षा कार्यक्रम कई बातों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इनमें शामिल हैं - छात्रों द्वारा आमतौर पर एक साथ चुने जाने वाले विषयों के पेपरों के बीच का अंतर, प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं का शेड्यूल, और हर परीक्षा केंद्र पर शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की संख्या। सीबीएसईने कहा कि उसने इस शेड्यूल को इस तरह से भी तैयार किया है ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान छात्रों को लंबे समय तक स्कूल से दूर न रहना पड़े। बोर्ड ने डेट शीट तैयार करते समय 40,000 से अधिक विषय संयोजनों पर विचार किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसी छात्र द्वारा चुने गए किन्हीं दो विषयों की परीक्षाएं एक ही दिन न पड़ें। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि स्कूलों द्वारा उम्मीदवारों की सूची जमा करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही यह शेड्यूल फाइनल किया गया। अब बोर्ड के पास छात्रों द्वारा चुने गए विषय संयोजनों का अंतिम डेटा मौजूद है। बोर्ड ने यह भी कहा कि परीक्षाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए, उसने प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की संख्या पर विचार किया है।

पटाखों से झुलसे लोगों के लिए निःशुल्क नेत्र शिविर 8 व 9 को

रायपुर। राजधानी के वरिष्ठ नेत्र एवं कॉन्टेक्ट लेंस विशेषज्ञ डॉ. दिनेश मिश्र द्वारा इस वर्ष भी दीवाली में पटाखों से आंखों में लगी चोटों के निःशुल्क परीक्षण एवं उपचार के लिए दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र शिविर लगाया जा रहा है। यह शिविर डॉ. दिनेश मिश्र के फूल चौक स्थित रायपुर नेत्र चिकित्सालय में 8 से 9 नवंबर की रात्रि तक संचालित होगा। दीपावली में चिकित्सकों की अनुपलब्धता व मरीजों को होने वाली कठिनाईयों को देखते हुए यह 71 वां शिविर लगातार 36 वें वर्ष आयोजित किया जा रहा है। पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं को ध्यान में रखकर1991 में इस प्रकार के शिविर की शुरूआत की गई थी ताकि पटाखों के कारण जलने व आंख को होने वाली चोटों के त्वरित एवं निःशुल्क उपचार प्राप्त हो सके। इसी प्रकार का शिविर होली में भी आयोजित किया जाता रहा है। पिछले 36 वर्षो में करीब 4700 से अधिक ऐसे मरीजों का उपचार एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी गई है तथा इस शिविर की अंचल में एक विशिष्ट पहचान बन चुकी है। डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा दीपावली ज्योति पर्व है, नेत्र ज्योति अनमोल है, लेकिन असावधानी से चलाये गये पटाखे किसी भी व्यक्ति की नेत्र ज्योति के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकते है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि दीवाली में पटाखों को लापरवाही से न चलावें, बल्कि अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। बम,अनारदाना, रॉकेट आदि चलाते समय पर्याप्त दूरी व सावधानी रखें।

रायपुर मंडल में सिंगल यूज प्लास्टिक को कहें ना थीम पर चलाया जागरूकता अभियान

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे द्वारा 1 से 7 नवम्बर तक आयोजित ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल में मिशन लाइफ के तहत विभिन्न जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में सिंगल यूज प्लास्टिक को कहें ना थीम के अंतर्गत मंडल के सभी स्टेशनों पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सफाई मित्रों एवं रेलवे वेंडर्स की सहभागिता से स्टेशन परिसर में जन-जागरूकता रैली आयोजित की गई।

नक्सलमुक्त बस्तर में पहली बार कई गांवों में मनेगी दिवाली : विजय शर्मा

■ डिप्टी सीएम बोले- अब न हत्या का डर, न जन अदालत का खौफ



रायपुर। नक्सलमुक्त होने के बाद बस्तर के कई गांवों में पहली बार दिवाली मनेगी। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा, नक्सलमुक्त होने के बाद बस्तर में बहुत सारे परिवर्तन आए हैं। ग्रामीणों में उत्साह और उत्सव का माहौल है। अब वहां ऐसी स्थिति नहीं है कि शिक्षा दूतों का गला काट दिया जाएगा या जन अदालत लगाकर उनकी हत्या कर दी जाएगी। नक्सलमुक्त बस्तर में सभी को दिवाली की शुभकामनाएं।

नक्सलवाद पूरी तरह खत्म नहीं होने के दीपक बैज के बयान पर विजय शर्मा ने कहा, दीपक बैज अपने कार्यकाल का हिसाब निकालें, नक्सलियों के संदर्भ में उनकी सरकारों ने क्या किया, यह उन्हें देखना चाहिए। झीरम कांड करने वाले उनके रोल मॉडल रहे हैं। पहले उन्हें इस बात को समझना चाहिए। जब समझ जाएंगे तब मुझसे बात करें।

एसआईआर पर कांग्रेस के विरोध को लेकर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा, नरेंद्र मोदी तीन बार प्रधानमंत्री बन चुके हैं। एसआईआर की प्रक्रिया 2025 में शुरू हुई। आखिर कांग्रेस क्या कहना चाहती है? इसमें वोट चोरी जैसा कोई मामला नहीं है। भाजपा इसलिए जवाब दे रही है, क्योंकि कांग्रेस प्रधानमंत्री से इस्तीफा मांग रही है। जनता के मन में किसी तरह का भ्रम न रहे, इसलिए भाजपा आंकड़ों के साथ सामने आई है, ताकि हर बात स्पष्ट हो सके। मृतकों और जो कहीं शिफ्ट हो गए उनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। इस मामले में झूठ बोल रही है, घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में होने की भी आशंका है। झूठ के सहारे देश नहीं चलाया जा सकता। मैं एक-एक बिंदु पर चर्चा करने के लिए तैयार हूं।

राहुल गांधी की पीएम मोदी को डिबेट की चुनौती पर विजय शर्मा ने कहा, मोदी जी से राहुल गांधी क्या बात करना चाहते हैं, इसके लिए संसद है। जब भी सदन में चर्चा होती है, वे भाग जाते हैं। विधानसभा में नक्सलवाद और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर चर्चा होती है तो भी भाग जाते हैं। लोकतंत्र में सड़क पर ही लड़ना है तो यह ठीक नहीं है। रिजीम चेंज सड़कों से नहीं, बल्कि चुनाव से होता है।

बीजेपी के पोस्टर पर विजय शर्मा ने कहा, राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए कि राजीव गांधी फाउंडेशन में चीन से फंडिंग क्यों आती है? वे चीन जाकर कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं से क्यों मिलते हैं? दूसरे देशों में जाकर देश को बदनाम करने का काम नहीं करना चाहिए।

राहुल गांधी के एसआईआर पर एटम बम फोड़ने वाले बयान पर शर्मा ने कहा, राहुल गांधी से किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। वे एसआईआर पर एटम बम फोड़ने की बात कर रहे थे। अगर मतदाता सूची में गड़बड़ी है तो उसे ठीक करने के लिए ही एसआईआर की प्रक्रिया है। इससे पहले भी 10 बार एसआईआर हो चुका है, तब किसी ने कुछ नहीं कहा। जनता के बीच भ्रम फैलाना ठीक नहीं है, मैं राहुल गांधी को पकड़कर समझाना चाहता हूं कि यह संवैधानिक प्रक्रिया है। मतदान केंद्रों पर बीएलओ से बात की गई है सभी नाम स्पष्ट हैं। अगर कहीं गलती हुई है तो क्या 20 लाख लोगों ने एक साथ गलती की है? क्या सभी लोग किसी राजनीतिक मानसिकता से काम कर रहे थे? नाम जुड़वाने की प्रक्रिया कभी भी की जा सकती है।

नितिन नबीन के दौरे को लेकर कांग्रेस की टिप्पणी पर विजय शर्मा ने कहा, प्रियंका गांधी आई थीं, उनके स्वागत में गुलाब की पंखुड़ियां बिछाई गई थी। उसका गुलकंद बना लिया, अब कुछ भी शिगूफा छोड़ देंगे। उन्हें गंभीरता से राजनीति करनी चाहिए। अपनी पार्टी के लिए जो अच्छा हो सकता है, वह करें।

रायपुर मंडल में सिंगल यूज प्लास्टिक को कहें ना थीम पर चलाया गया व्यापक जागरूकता अभियान



रायपुर। पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे द्वारा 1 से 7 नवम्बर तक आयोजित ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल में मिशन लाइफ के तहत विभिन्न जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

इसी कड़ी में सिंगल यूज प्लास्टिक को कहें ना थीम के अंतर्गत मंडल के सभी स्टेशनों पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सफाई मित्रों एवं रेलवे वेंडर्स की सहभागिता से स्टेशन परिसर में जन-जागरूकता रैली आयोजित की गई। यात्रियों को सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले पर्यावरणीय दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए इसके उपयोग से बचने तथा प्लास्टिक के विकल्प के रूप में जूट एवं कपड़े से बने पुनः उपयोग योग्य बैग अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा सभी प्रमुख स्टेशनों के उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से संदेश प्रसारित कर तथा पोस्टर एवं बैनर का प्रावधान कर एवं यात्रियों से संवाद कर सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग बंद करने एवं स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया।

आनंद ज्वेलर्स से महिला ठग ने किया सोने का हार पार, हुई सीसीटीवी में कैद



रायपुर। धनतेरस पर सदर बाजार हलवाई लाइन स्थित आनंद ज्वेलर्स से महिला ठग ने सोने का हार पार कर दिया। जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। महिला दुकान में ग्राहक बनकर आई थी और बेहद शातिर तरीके से दुकान के कर्मचारियों का ध्यान भटकाया और काउंटर पर रखे सोने के हार पर हाथ साफ कर दिया। महिला ने हार अपने पास छिपा लिया और वहां से रफूचक्कर हो गई। फिलहाल कोतवाली पुलिस दुकान संचालक आनंद पारख की रिपोर्ट पर सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से ठग महिला की तलाश में जुट गई है।

दुकान संचालक पारख ने पुलिस को बताया कि जब दुकान के कर्मचारियों ने स्टॉक का मिलान किया और सोने का हार गायब पाया, तो उनके होश उड़ गए। इसके तुरंत बाद दुकान के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। वीडियो में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि किस तरह साड़ी पहनी एक महिला बड़े आराम से काउंटर के पास खड़ी होकर हार चुरा रही है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दुकान से सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस फुटेज के आधार पर महिला की पहचान करने और उसकी तलाश में जुट गई है। इसके अलावा पुलिस आसपास की दुकानों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है ताकि महिला के आने-जाने के रास्ते का पता चल सके। इस तरह दिनदहाड़े हुई चोरी की इस घटना ने सराफा व्यापारियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नितिन नबीन पर टिप्पणी का मंत्री रामविचार नेताम ने दिया कड़ा जवाब, कहा -

कांग्रेस को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए, तार-तार की हैं सारी मर्यादाएं

रायपुर। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के पैसे वसूलने छत्तीसगढ़ आने वाले कांग्रेस के बयान पर मंत्री राम विचार नेताम ने कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बारे में इस तरह की टिप्पणी उचित नहीं है। कांग्रेस को ऐसे आरोप लगाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। कांग्रेस ने सारी मर्यादाएं तार-तार कर दी हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों में डूबी कांग्रेस को इस तरह की बातें करने से बचना चाहिए। समय आने पर जनता उन्हें जवाब देगी।

मंत्री रामविचार नेताम ने शनिवार को मीडिया से जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से लेकर प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी के दौरे को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर 11 से 18 नवंबर तक सप्ताहभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए



जाएंगे। उन्होंने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रायगढ़ आएंगे। भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी और सह प्रभारी सिद्धार्थ शंभू भी रायगढ़ पहुंचेंगे। इसमें छात्र-छात्राओं, जनजातीय समाज की संस्कृति, पारंपरिक व्यंजनों और कलाकृतियों को लेकर अलग-अलग आयोजन होंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर व्यापक समीक्षा की जाएगी।

पटवारियों का आंदोलन जानबूझकर खत्म नहीं कराने और धान खरीदी से बचने के कांग्रेस के आरोपों पर मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि कांग्रेस मुद्दाविहीन हो चुकी है। सरकार आंदोलनरत पटवारियों के संपर्क में है। हम सभी उनसे निवेदन कर रहे हैं कि किसानों के हित को देखते हुए आंदोलन समाप्त करें। उनकी मांगों पर विचार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सरकार के हर अच्छे काम में खामी नजर आती है। धान खरीदी के लिए 360 नए उपार्जन केंद्रों की संख्या बढ़ाई गई है, ताकि किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो। सरकार किसानों को सुविधाएं देने और उनके हित में लगातार काम कर रही है।

वहीं दिल्ली नहीं जाने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नोटिस जारी होने पर रामविचार नेताम ने कहा कि यह कांग्रेस का अंदरूनी मामला है। कार्रवाई करते-करते एक दिन खाली हो जाएगी कांग्रेस। उनकी पार्टी में अब अनुशासन नहीं रह गया है, उनकी पार्टी में इसी तरह की स्थिति लगातार बनी रहती है।

महिला बंदियों के बच्चों और बालिका गृह की बच्चियों संग डॉ. वर्णिका ने बांटी दीपावली की खुशियां



रायपुर। दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का पर्व नहीं, बल्कि उन जीवनों में भी उजाला भरने का अवसर है, जहां परिस्थितियों ने खुशियों के रंग कुछ फीके कर दिए हों। यह पर्व प्रेम, अपनत्व, संवेदना और उम्मीद का संदेश देता है। इसी मानवीय भावना को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने खम्हारडीह स्थित बालिका गृह एवं महिला जेल में निरुद्ध महिला बंदियों के बच्चों के साथ दीपावली का पर्व मनाया और उनके बीच खुशियों के पल साझा किए।

इस विशेष अवसर पर उन्होंने बच्चों के बीच पहुंचकर न केवल दीपावली की खुशियां बांटीं, बल्कि उनके साथ आत्मीयता के कुछ ऐसे पल भी बिताए, जिन्होंने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और मन में अपनत्व का एहसास जगाया। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई, रुचियों, सपनों और भविष्य की आकांक्षाओं को जाना। बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन की परिस्थितियां किसी के सपनों की सीमा तय नहीं कर सकतीं। हर बच्चे को एक सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल बचपन पाने का अधिकार है। किसी भी बच्चे का भविष्य उसकी पारिवारिक परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उसकी प्रतिभा, मेहनत, आत्मविश्वास और उसे मिलने वाले अवसरों से तय होना चाहिए। उन्होंने बच्चों को विश्वास दिलाया कि वे अपने सपनों को संजोएं और पूरे आत्मविश्वास के साथ उन्हें साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें। इस दौरान महिला जेल में निरुद्ध महिला बंदियों से भी आत्मीय संवाद किया गया। उनके बच्चों की शिक्षा, परवरिश और बेहतर भविष्य को लेकर चर्चा की गई। उन्हें अपने बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर यह संदेश भी दिया गया कि किसी भी परिस्थिति में बच्चों का बचपन, उनकी भावनाएं और उनके अधिकार प्रभावित नहीं होने चाहिए।

शिक्षा मंत्री यादव के विशेष सहायक ब्रजेश अब संभालेंगे एससीईआरटी में उप संचालक का पद



रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के विशेष सहायक के रूप में कार्यरत ब्रजेश कुमार वाजपेयी को उनकी निजी स्थापना से कार्यमुक्त कर दिया गया है। अब वे प्रतिनियुक्ति पर राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), शंकर नगर रायपुर में उप संचालक का पद सम्हालेंगे। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर कहा है कि उनकी नई पदस्थापना अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी। इस बदलाव के बाद वाजपेयी अब मंत्री के निजी स्थापना में विशेष सहायक के रूप में पहले सौंपे गए विभागीय कार्यों का निर्वहन नहीं करेंगे। उन्हें नई जिम्मेदारी के तहत एससीईआरटी में काम करना होगा।

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश में ब्रजेश कुमार वाजपेयी की पुरानी पदस्थापना और नई जिम्मेदारी का उल्लेख किया गया है। आदेश के अनुसार, वाजपेयी इससे पहले उप संचालक, राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा में पदस्थ थे। इसके बाद उन्हें छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग तथा विधायी कार्य विभाग की निजी स्थापना में विभागीय कार्यों के संपादन के लिए विशेष सहायक के रूप में जिम्मेदारी दी गई थी। अब राज्य शासन ने उन्हें मंत्री की निजी स्थापना से कार्यमुक्त करने का निर्णय लिया है। विभागीय आदेश जारी होने के बाद उनकी सेवाएं प्रतिनियुक्ति पर लेते हुए नई पदस्थापना की गई है। नई व्यवस्था के तहत ब्रजेश कुमार वाजपेयी को राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद यानी एससीईआरटी, शंकर नगर, रायपुर में उप संचालक के पद पर पदस्थ किया गया है। एससीईआरटी प्रदेश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी महत्वपूर्ण संस्था है। यहां पाठ्यक्रम विकास, शिक्षकों के प्रशिक्षण, शैक्षणिक अनुसंधान और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने से संबंधित काम किए जाते हैं। नई पदस्थापना के बाद वाजपेयी परिषद में उप संचालक के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, उनकी नियुक्ति अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक की गई है।

धान खरीदी की गड़बड़ी पर बड़ी कार्रवाई, 9 केंद्र प्रभारी बर्खास्त और 4 कर्मचारियों से होगी वसूली

बलौदाबाजार। जिले में धान खरीदी में गड़बड़ी और अनियमितता बरतने वाले 13 कर्मचारियों पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के उपार्जन केंद्रों में अप्रत्याशित कमी और अनियमितता पाए जाने के बाद यह प्रशासनिक कदम उठाया गया है। कार्रवाई के तहत नौ उपार्जन केंद्र प्रभारियों को सेवा से पृथक कर दिया गया है, जबकि चार अन्य कर्मचारियों के खिलाफ वसूली की कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही इन सभी 13 कर्मचारियों को इस वर्ष आयोजित होने वाली धान खरीदी प्रक्रिया से भी बाहर कर दिया गया है।

प्रभावित उपार्जन केंद्रों की स्थिति

कार्रवाई की जद में मनोहरा, केसली, कामता, निपनिया, बिटकुली, खैरा,



सिंगारपुर, कर्मदा, छेरकापुर, खरतोरा, करहीबाजार और मोहभट्टा सहित 13 उपार्जन केंद्रों के कर्मचारी आए हैं। उपार्जन केंद्रों में पाई गई अप्रत्याशित कमी को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। धान खरीदी की व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए दोषी कर्मचारियों पर यह गाज गिराई गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपार्जन व्यवस्था में गड़बड़ी फैलाने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

181 केंद्रों में धान खरीदी की तैयारी

जिले के 181 उपार्जन केंद्रों में 15 नवंबर से धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। धान खरीदी शुरू होने से पहले जिलाधिकारी कुलदीप शर्मा ने स्पष्ट चेतावनी जारी की है। जिलाधिकारी ने कहा है कि धान खरीदी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही, गड़बड़ी या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। अब यह देखना होगा कि नई व्यवस्था के तहत केंद्रों में किसानों के धान की खरीदी कितनी पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से पूरी होती है।

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर पावर कंपनियों में 1,501 पदों पर होगी भर्ती

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ की तीनों कंपनियों में बड़े पैमाने पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 38 प्रकार के पदों पर कुल 1,501 रिक्तियों के लिए विस्तृत भर्ती विज्ञापन 5 नवंबर 2026 को जारी कर पावर कंपनी की वेबसाइट द्धह्लह्लश्चह्यर//ष्ह्यश्चरुष्ष्ठ.द्बठ्ठ पर अपलोड किया गया है। इनमें द्वितीय श्रेणी के 195 तथा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 1,306 पद शामिल हैं। सबसे अधिक पद कनिष्ठ अभियंता एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर के हैं। कनिष्ठ अभियंता इलेक्ट्रिकल के 167 पद हैं, जिनमें जनरेशन कंपनी के 11, ट्रांसमिशन कंपनी के 32 और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के 124 पद शामिल हैं। इसी तरह डाटा एंट्री ऑपरेटर के 609 पद तीनों कंपनियों के क्रमशः 95, 64 और 450 पद हैं। यह भर्ती छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी के लिए की जाएगी। इसके लिए पूर्व में 7 अगस्त 2026 को जारी लघु विज्ञापन तथा 14 सितंबर 2026 को जारी संशोधन के तारतम्य में विस्तृत विज्ञापन जारी किया गया है। जारी विज्ञापन के अनुसार ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 6 नवंबर 2026 को शाम 8 बजे से प्रारंभ होगी। इच्छुक अभ्यर्थी 26 नवंबर 2026 की रात 11.55 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन शुल्क भी इसी तिथि और समय तक नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड अथवा यूपीआई के माध्यम से जमा किया जा सकेगा। विज्ञापन के अनुसार तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थी ही आवेदन करने के पात्र होंगे। प्रत्येक पद के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा एवं अन्य पात्रता संबंधी विस्तृत जानकारी भर्ती विज्ञापन में दी गई है।

योगी के तीसरे कार्यकाल के लिए भाजपा ने कसी कमर

राहिल नोरा चोपड़ा

2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही, भाजपा एक जीवंत विपक्ष के कारण केंद्र में सत्ता विरोधी लहर का सामना करने के बावजूद योगी आदित्यनाथ सरकार का तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। भाजपा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाई-वोल्टेज पी.डी.ए. (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) जनसंपर्क का मुकाबला करने के लिए एक रणनीतिक योजना पर जोर दे रही है। चुनावी विमर्श को जातिगत समीकरणों के वर्चस्व से बचाने के लिए, भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार सुशासन, विकास, कानून-व्यवस्था और जमीनी स्तर पर लामबंदी पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी का उद्देश्य समाजवादी पार्टी के पिछले कार्यकालों को फिर से सुर्खियों में लाना है, ताकि मतदाताओं को उसके शासन से जुड़े विवादों और संवेदनशील मुद्दों की याद दिलाई जा सके। यह काम विशाल रैलियों और क्षेत्रीय आऊटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से किया जाएगा। हालांकि, पार्टी नेताओं ने कहा कि महिला मतदाताओं पर पार्टी की निर्भरता और मुख्यमंत्री की छवि कुछ ऐसे प्रमुख कारक हैं, जो पार्टी को जीत दिलाएंगे। जमीनी स्तर पर, पार्टी अपनी बूथ-स्तरीय मशीनरी को सशक्त बनाने की कोशिश कर रही है। मतदाता संपर्क को बढ़ाने, निर्वाचन क्षेत्र-स्तरीय फीडबैक की निगरानी करने और मतदाताओं के साथ नियमित बातचीत सुनिश्चित करने के लिए इसके पन्ना-प्रमुख नैटवर्क और स्थानीय बूथ समितियों को फिर से सक्रिय किया जा रहा है। बी.एस.पी. (बसपा) ने 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। बसपा प्रमुख मायावती की योजना 6 दिसम्बर को, जो कि दलित प्रतीक बी.आर. आंबेडकर की पुण्यतिथि का दिन है, राज्य में एक विशाल रैली आयोजित करने की है, ताकि अपने आलोचकों को यह संदेश दिया जा सके कि उनका मूल वोट बैंक (दलित) अभी भी बरकरार है। यह रैली लखनऊ के आंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर आयोजित की जाएगी। यह निर्णय गुरुवार को लखनऊ में आयोजित बसपा पदाधिकारियों की बैठक में लिया गया। इस बीच बैठक में उम्मीदवार चयन और समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर समूहों के बीच पहुंच का विस्तार करने के प्रयासों सहित चुनावों के लिए संगठनात्मक तैयारी पर जोर दिया गया। पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि बसपा का उद्देश्य बहुजन समाज के स्वाभिमान व सम्मान को मजबूत करना और लोकतांत्रिक माध्यमों से 'हमारा वोट, हमारा राज' के मिशन को आगे बढ़ाना बना हुआ है। पिछले एक दशक में राज्य में हर चुनाव के साथ बसपा का वोट प्रतिशत घटता जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी राज्य में अपना खाता भी नहीं खोल सकी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि यदि भाजपा के साथ गठबंधन की बातचीत विफल होती है तो उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लडऩे के लिए पूरी तरह तैयार है। वाराणसी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग ने कहा कि कुछ राजनीतिक दलों ने संविधान और सामाजिक न्याय की बात तो की लेकिन लोगों के अधिकारों को सुरक्षित करने की बात आने पर वे चुप रहे। लोजपा (आर.वी.) को बिहार में अपना मूल समर्थन दलित पासवान समुदाय से मिलता है। उत्तर प्रदेश में, इसका प्रयास अतीत में जाटव समुदाय से इतर दलित मतदाताओं पर केंद्रित रहा है, जिसमें पासी समुदाय पर विशेष ध्यान दिया गया है। जाटव पारंपरिक रूप से मायावती की बहुजन समाज पार्टी का समर्थन करते रहे हैं।

सियासी गुलामी और खुदमुख्तारी के दावों में फंसा 'अब्दुल'...!

अजय बोकिल



अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में मिशिगन राज्य में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद ने बतौर पहले मुस्लिम सीनेटर चुनाव क्या जीता, भारत में 'अब्दुल' पर ही सियासी घमासान छिड़ गया है। मुकाबला हैदराबादी बनाम लखनवी अब्दुल होता जा रहा है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी तो अब्दुल अल सैयद की जीत से इतने उत्साहित हैं कि उन्होंने साफ कह दिया है कि अब यूपी में कोई 'अब्दुल' किसी की दरी नहीं उठाएगा, न ही कोई पंक्चर जोड़ेगा। वह खुद नेता बनेगा, विधायक बनेगा। अपनी कौम का रहनुमा बनेगा।

ओवैसी के इस 'अब्दुल दांव' ने गैर भाजपाई और सेक्युलर राजनीति करने वाली पार्टियों की पेशानी पर बल ला दिए हैं। उन्हें डर है कि अगर 'अब्दुल वोट बैंक' थोड़ा भी एआईएमआईएम की तरफ खिसका तो आगामी विस. चुनाव में उनके सत्ता में आने के सपने हवा हो सकते हैं। खासकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जैसे दलों ने ओवैसी की अब्दुल चाल को काटना शुरू कर दिया है।

यह कहना अभी मुश्किल है कि यूपी चुनाव में ओवैसी क्या कमाल कर पाएंगे, लेकिन पिछले साल बिहार विस चुनाव में राज्य के मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र में उन्हें मिली सफलता और इंडिया गठबंधन की हार के चलते यह केवल अंदेशा भर नहीं है। यानी ओवैसी 'खेलेंगे नहीं तो खेल बिगाड़ेंगे' का खेल यूपी में भी खेल रहे हैं।

पहले ओवैसी ने राज्य में भाजपा को हराने के लिए संभावित सपा कांग्रेस गठबंधन से चुनाव में कुछ सीटों की मांग की। उसे तवज्जो नहीं मिली तो ओवैसी ने अपना टेसू अड़ा दिया। ऐसे में सभी पार्टियों को इसमें अपने अपने 'अब्दुल' की चिंता दिखाई पड़ने लगी है।

असदुद्दीन ओवैसी की कोई कितनी भी आलोचना करे, लेकिन उनकी खूबी यह है कि वो सियासी समुंदर से नए-नए टोटके खोजकर लाते हैं और उसी के आधार पर नया नरेटिव खड़ा करने की कोशिश करते हैं, जिसमें कुछ हद तक उन्हें सफलता मिलती भी दिखाई देती है। विपक्षी पार्टियां उन्हें बीजेपी की 'बी' टीम कहती हैं। उनका मानना है कि ओवैसी कुछ ऐसी तिरछी चाल चलते हैं कि उसका अंतिम लाभ किसी न किसी रूप में भाजपा को ही होता है।

अब्दुल की आड़ में भी ओवैसी साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण को ही हवा दे रहे हैं। जबकि ओवैसी का कहना है कि वो केवल मुसलमानों के आत्मसम्मान की बात करते हैं। ओवैसी की मंशा साफ है कि मुसलमान विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के 'सेवक' बनकर न रहे बल्कि खुदमुख्तार बनें। ऐसी खुदमुख्तारी केवल मुसलमानों को उनकी पार्टी एआईएमआईएम ही दे सकती हैं। ऐसे में उन सभी राज्यों में जहां मुस्लिम आबादी काफी है, राजनीतिक सेंध लगाने का काम ओवैसी बड़ी चतुराई से करते हैं।

उनका मानना है कि वो ऐसा करके मुसलमानों में 'आत्मबोध' जगाने का काम कर रहे हैं। इसमें बड़ी कामयाबी मिली तो एक न एक दिन ऐसा आएगा कि कुछ राज्यों में मुसलमानों के समर्थन के बगैर सरकार नहीं बन पाएगी। यही नहीं ओवैसी ने अगले साल यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुसलमानों को सलाह दी कि वो सिर्फ किसी पार्टी का वोट बैंक बनकर न रहे और नेतृत्व के लिए यादव या नेहरू-गांधी परिवारों की तरफ देखना बंद करके अपने बीच से नेता चुनें। इसमें खतरा यह है कि मुसलमान राजनीतिक रूप से अलग थलग पड़ सकते हैं और देश में फिर से कोई मुस्लिम लीग खड़ी हो सकती है।

फिलहाल अमेरिका में अब्दुल अल सैयद की जीत से झूमे ओवैसी ने यूपी में बीजेपी, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोग कहते थे कि अब्दुल सिर्फ टायर का पंक्चर बनाता है और समाजवादी पार्टी के लोग कहते थे कि अब्दुल रैलियों में दरी बिछाएगा। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

ओवैसी आरएसएस पर भी आरोप लगा चुके हैं कि उसने अब्दुल शब्द को एक सियासी तंज में बदलने की कोशिश की है। लिहाजा यह साबित करने का वक्त आ गया है कि अब्दुल अल्लाह के सिवा किसी और की गुलामी नहीं करता।

इस पर समाजवादी पार्टी की प्रतिक्रिया आई कि अगर 'हैदराबाद का कोई अब्दुल' आकर यूपी में अपने पैर जमाने की कोशिश करेगा तो यह नामुमकिन है। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. फखरूल हसन चांद ने कहा कि यूपी में अब्दुल (मुसलमान) पूरी तरह से समाजवादी पार्टी के साथ है। इसी पार्टी के सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी ने कहा कि किसी भी समुदाय का 'अब्दुल' कहकर मजाक उड़ाना गलत है।

उधर कांग्रेस ने ओवैसी पर यह कहकर पलटवार किया कि खुद उनके गृह राज्य तेलंगाना में 'अब्दुल' के साथ क्या हुआ? ओवैसी के हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रभारी मोहम्मद वलीउल्लाह समीर ने कहा कि ओवैसी यूपी में जिस रणनीति और नेतृत्व की वकालत कर रहे हैं, उसे उन्होंने खुद अपने गृहराज्य तेलंगाना में लागू नहीं किया। यानी वहां 'अब्दुल' को कभी हैदराबाद के चुनिंदा चुनाव क्षेत्रों से आगे नहीं बढ़ने दिया गया।

राजनीतिक प्रेक्षक ओवैसी के बयान को उत्तर प्रदेश में मुस्लिम समुदाय की राजनीतिक भागीदारी और स्वतंत्र राजनीतिक पहचान से जोड़कर देख रहे हैं। कई मुस्लिम युवा उनकी लच्छेदार बातों से प्रभावित होते भी दिख रहे हैं, हालांकि यह प्रतिसाद वोटों में कितना तब्दील होगा, कहना मुश्किल है। सपा का मानना है कि मुसलमान कितना ही नाराज क्यों न हो, यूपी में उसका दामन नहीं छोड़ेगा।

कांग्रेस भी मानकर चल रही है कि राष्ट्रीय स्तर पर वही मुसलमानों की खैरख्वाह है। कुछ उम्मीद बसपा को भी है। लेकिन ओवैसी कोई इससे फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि उनके पास यूपी में खोने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने 2022 के विस चुनाव में भी यूपी में चुनाव लड़ा था। उनकी पार्टी एआईएमआईएम सात छोटी छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन में थी। इस गठबंधन को कुल 4.37 फीसदी वोट मिले थे।

एआईएमआईएम को एक भी सीट नहीं मिली थी। गोया लखनवी अब्दुल ने हैदराबादी अब्दुल को खारिज कर दिया था। बावजूद इसके ओवैसी ने हौसला नहीं खोया और वो अब्दुल की नई ब्रांडिंग के साथ मैदान में हैं। सेक्युलर पार्टियों की मुश्किल यह है कि अगर वो एआईएमआईएम को अपने साथ लेते हैं तो उनका अपना अब्दुल वोट बैंक खाली हो सकता है। कुछ समय बाद ओवैसी ही मुस्लिम तमाम अब्दुल्लाओं के इकलौते सरदार बन जाएंगे। अगर ये पार्टियां ओवैसी को अपने सुरक्षा चक्र से बाहर रखती हैं तो भी ओवैसी उसमे सेंध लगाते रहेंगे। यानी उधर कुआं, उधर खाई जैसी स्थिति है।

इसी के साथ यह सवाल भी मौजूं है कि ओवैसी ने मुसलमानों के लिए प्रतीकात्मक 'अब्दुल' शब्द का प्रयोग ही क्यों किया?

असम में बांग्लादेशी मुसलमानों के लिए मियां शब्द चलन में है, ओवैसी का अब्दुल उससे हटकर है। अरबी में अब्दुल का अर्थ होता है सेवक या दास। इसमें अल्लाह उपसर्ग जोड़ दें तो अब्दुल्लाह यानी अल्लाह का सेवक कहलाएगा। लेकिन ओवैसी ने जिस अर्थ में अब्दुल्ल का इस्तेमाल किया है, उसका ताल्लुक 'सियासी अब्दुल' से ज्यादा है।

यूपी में मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी मुसलमानों को अपना अब्दुल मानती है तो कांग्रेस उसे अपना। कुछ 'अब्दुल' बसपा के खेमे में भी हैं। जबकि चुनाव में सीधे-सीधे 80-20 के विभाजन की घोषणा करने वाली भाजपा का कहना है कि आज यूपी में अब्दुल भाजपा के भी साथ है, क्योंकि सरकारी योजनाओंके लाभार्थियों में 'अब्दुल' को लेकर कोई भेदभाव नहीं है।

यह कहना गलत नहीं होगा कि ओवैसी अब यूपी में हैदराबादी अब्दुल बनाम लखनवी अब्दुल कराने की फिराक में हैं। इन दोनो अब्दुल्लाओंमें थोड़ा तासीर का फर्क है। लखनवी अब्दुल जरा ज्यादा नफासत पसंद और अवधी-भोजपुरी रंग लिए हुए है। तो हैदराबादी अब्दुल में दक्षिण भारतीय तड़का है। दोनो की जबान और खानों में भी फर्क है। ओवैसी इन दोनो अब्दुल्लाओं को मिलाकर एक नया ब्लेंड तैयार करना चाहते हैं।

लेकिन क्या यूपी का अब्दुल अपनी मौलिक पहचान से हटकर ओवैसी के इस नए रंग में रंगने को तैयार होगा?

भारतीय दार्शनिक सम्प्रदाय

23-योगाचार का विज्ञानवाद



गतांक से आगे...

शङ्कर ने विज्ञानवाद का खण्डन करते हुये उसका निरूपण किया है, जो कि वाचस्पति की भामती टीका में और भी विशद रूप से मिलता है। इसके सिवाय वेदान्त के अनेक ग्रन्थों में विज्ञानवाद का निरूपण है। सर्वदर्शनसंग्रह से भी विज्ञानवाद के विषय में पर्याप्त परिचय प्राप्त होता है। विज्ञानवाद के प्रारम्भ होने के समय के विषय में संक्षेप में इतना ही कहा जा सकता है कि वह समय संभवत: ईसा की चौथी शताब्दी हो सकता है जो कि असङ्ग और वसुबन्धु का समय है।

विज्ञानवाद और शून्यवाद : माध्यमिक ने बाह्य और आन्तर (मातस) दोनों प्रकार के धर्मों का निषेध किया था। परन्तु योगाचार ने कहा कि स्वसंवेदन अर्थात् हमें ज्ञान होता है इस बात का निषेध नहीं किया जा सकता। यह एक ऐसा यथार्थ सत्य है जिसको स्वीकार करना ही पड़ता है। इसके बिना संसार की वस्तुओं का व्यावहारिक अस्तित्व भी नहीं रहेगा। धर्मकीत्ति ने कहा कि अप्रत्यक्षोपलम्भस्य नार्थदृष्टि: प्रसिद्ध्यति अर्थात् जो ज्ञान का भी प्रत्यक्ष या संवेदन स्वीकार नहीं करता उसके लिये वस्तुओं का ज्ञान भी सम्भव नहीं।

इसलिये ज्ञान का प्रत्यच्त और ज्ञान की सत्ता स्वीकार करनी ही पड़ेगी, यह योगाचार के दर्शन का आधारभूत तर्क है। पाश्चात्य दर्शन के ज्ञान-सिद्धान्त-सम्बन्धी (epistemological) प्रवृत्ति के प्रवर्त्तक फ्रेञ्च दार्शनिक डेकार्टे के तर्क का भी यही आधार है: 'Cogito ergo sum' अर्थात् मैं जानता हूँ इसलिये मैं हूँ।

संसार की प्रत्येक घटना या वस्तु के विषय में संदेह किया जा सकता है, परन्तु ज्ञाता (आत्मा) के अस्तित्व के विषय में संदेह नहीं किया जा सकता। योगाचार के मत में केवल आत्मा की जगह ज्ञान आ जाता है, इसलिये दोनों का तर्क समान ही है।

क्रमश: ...

दिवाली पर लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त

विनोद शुक्ला



हर वर्ष कार्तिक माह की अमावस्या तिथि पर दीपावली का त्योहार बड़े ही धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। हिंदू धर्म में दिवाली का त्योहार सबसे प्रमुख पर्व माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस तिथि पर भगवान श्रीराम 14 वर्ष का वनवास पूरा करके माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ अयोध्या लौटे थे। प्रभु राम के वापस आने की खुशी में अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर उत्सव मनाया था। दिवाली की रात धन, सुख-समृद्धि की देवी माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि दिवाली पर अमावस्या तिथि और प्रदोष काल में मां लक्ष्मी की पूजा करने से घर में उनका वास होता है और सुख-समृद्धि, धन-वैभव और खुशहाली आती है। इस बार दिवाली 08 नवंबर को है।

शुभ दीपावाली 2026- 08 नवंबर

अमावस्या तिथि प्रारंभ - 08 नवंबर को सुबह 11:27 बजे, अमावस्या तिथि समाप्त -09 नवंबर को रात 12:31 बजे, लक्ष्मी पूजा मुहूर्त : शाम 05:54 से 07:50 बजे। प्रदोष काल - शाम 05:31 से 08:09 बजे। वृषभ काल - शाम 05:54 से 07:50 बजे। निशिता काल- रात 11:39 से 12:31, सिंह लग्न - सुबह 12:25 से 02:42

शुभ दीपावाली 2026

लक्ष्मी पूजा मुहूर्त : निशिता काल रात 11:39 से 12:31, 09 नवंबर, अवधि- 53 मिनट। सिंह लग्न- सुबह 12:24 से 02:42, 09 नवंबर।

लक्ष्मी पूजा- शुभ चौघड़िया मुहूर्त

प्रात: मुहूर्त (चर, लाभ, अमृत)- सुबह 11:27 से 12:05 तक। अपराह्न मुहूर्त (शुभ) - दोपहर 01:26 से 02:48 तक। सायाह्न मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर)- शाम 05:31 से रात 10:27 तक। रात्रि मुहूर्त (लाभ)- 01:43 से 03:22 तक, 09 नवंबर। उषाकाल मुहूर्त (शुभ)-सुबह 05:00 से 06:39 तक, 09 नवंबर।

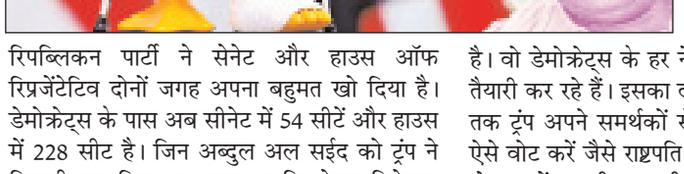
हिंदू धर्म में दिवाली पर महालक्ष्मी पूजन का विशेष विधान होता है। दिवाली पर लक्ष्मी पूजन के लिए कार्तिक अमावस्या तिथि में प्रदोष काल में करने का विधान होता है। द्रिक पंचाग के अनुसार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 08 नवंबर रविवार को सुबह 11 बजकर 27 मिनट से शुरू हो जाएगी और 09 नवंबर सोमवार को सुबह 12 बजकर 31 मिनट तक रहेगी. उदयातिथि के आधार पर कार्तिक अमावस्या तो 09 नवंबर को होगी, लेकिन अमावस्या तिथि में प्रदोष काल 08 नवंबर को प्राप्त हो रहा है, ऐसे में दीपावली का त्योहार 08 नवंबर, रविवार को है।

शास्त्रों में दिवाली पर मां लक्ष्मी का पूजन प्रदोष काल यानी सूर्यास्त के बाद के तीन मुहूर्त और स्थिर लग्न में करना सबसे उत्तम माना गया है। जब वृषभ, सिंह, वृश्चिक और कुंभ राशि लग्न में उदित हो तो माता लक्ष्मी की पूजा की जानी चाहिए। इसके अलावा मां लक्ष्मी की पूजा के लिए निशिथ काल का मुहूर्त भी अच्छा माना जाता है। निशित काल का मुहूर्त तांत्रिक पूजा, काली पूजा और महानिशा पूजा के लिए समय उपयुक्त होता है।

तेहरान में तख्तापलट का ख्वाब, वॉशिंगटन में हो गया रिजीम चेंज?

अभिनय आकाश

साल 1967 भारत का मद्रास राज्य जो वर्तमान में तमिलनाडु के नाम से जाना जाता है। प्रदेश में सूखे के कारण अनाज की भारी कमी थी और कीमतें बहुत अधिक थीं। विधानसभा चुनाव अपने चरम पर थे। तभी इस संकट के बीच डीएमके के संस्थापक सी. एन अन्नादुरई ने एक चुनावी नारा दिया- मूंड्रू पडी लट्चियम, ओरू पडी निचयम। मतलब तीन पडी चावल हमारा लक्ष्य है, लेकिन एक पडी चावल निश्चित रूप से दिया जाएगा। एक रुपये में 3 माप (लगभग 4.5 किलोग्राम) के इस लोक-लुभावन वादे ने जनता को आकर्षित किया और डीएमके ने कांग्रेस को हराकर पहली बार भारी बहुमत से सत्ता हासिल की। ये और बात है कि भले ही अन्नादुरई अपने समय में इसे पूरी तरह लागू नहीं कर पाए, लेकिन उनके इस विचार ने तमिलनाडु की राजनीति में हमेशा के लिए सस्ते अनाज और राशन की नींव रख दी। लगभग छह दशक बाद और आधी दुनिया दूर, चुनावी लोकतंत्र का यह खेल आज भी नहीं बदला है। जब महंगाई और आर्थिक दबाव से जूझते अमेरिकी नागरिकों को रिझाने के लिए डोनाल्ड ट्रंप हर नागरिक के खाते में 5,000 भेजने जैसा लुभावना दांव चलते हैं, तो यह अन्नादुरई के उसी 1967 वाले प्रयोग की आधुनिक और हाई-टेक पुनरावृत्ति जैसा दिखता है। अमेरिका में जब कभी भी चुनाव होते हैं तो उसके रिजल्ट का असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। खासकर की जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हो और मिड टर्म के नतीजे इतने पाथ ब्रेकिंग हो। मतलब जो दशकों में नहीं देखा गया था। जो बाइडेन के जाने के बाद जब ट्रंप की वापसी हो गई तो लगता था कि अमेरिका अब कई दशक तक रेड वेब की ही चपेट में रहेगा। भारत, कनाडा, यूरोप जैसे जो ट्रंप पीड़ित थे, इस बात की भी तैयारी करने लगे थे कि ट्रंप का रिप्लेसमेंट अगर ट्रंप का ही मानस पुत्र या पुत्री निकला तो फिर कहां जाएंगे। लेकिन मिड टर्म में वो फटका पड़ा है कि आने वाले दो साल हिचकोले खाते हुए बीतने वाले हैं। ट्रंप की हरकतों के चलते



रिपब्लिकन पार्टी ने सेनेट और हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव दोनों जगह अपना बहुमत खो दिया है। डेमोक्रेट्स के पास अब सीनेट में 54 सीटें और हाउस में 228 सीट है। जिन अब्दुल अल सईद को ट्रंप ने जिहादी कह दिया था। कहा था कि मेटल डिटेक्टर से निकलवाऊंगा, अब जेडी वेंस उन्हीं को शपथ दिलवाएंगे। हाउस को हफीम जेफरीज के रूप में पहला ब्लैक स्पीकर भी मिल गया है। गवर्नरशिप के मामले में भी डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिककंस को पछाड़ा है। 28 सूबों में डेमोक्रेट्स के गवर्नर जीते हैं। 2009 के बाद पहली बार डेमोक्रेट्स ने ये रिकॉर्ड तोड़ा है।

कम से कम 47 बार ट्रंप ने बयान दिया था कि अमेरिका को ऐसे वोट डालना चाहिए जैसे मैं ही चुनाव लड़ रहा हूं। उन्हें लगा कि इसका फायदा पार्टी को होगा, लेकिन इसका उल्टा ही हो गया। ट्रंप की पिछली दो साल की गलतियों का खामियाजा रिपब्लिकन पार्टी को भुगतना पड़ा। टेक्सस, साउथ कैरोलिना, ट्रांसिस, आयोवा और ओहायो जैसे कट्टर रिपब्लिकन स्टेट्स में ब्लू वेब आ गई है। नेतन्याहू के साथ मिलकर डोनाल्ड ट्रंप ने सोचा था कि ईरान में हम रिजीम चेंज कर लाएंगे और नोबेल प्राइज मिल जाएगा। पूरी दुनिया का नक्शा ही बदल देंगे। लेकिन रिजीम चेंज डोनाल्ड ट्रंप को मिल तो गया वो भी अपने ही देश में मिल गया। रिजीम चेंज से मतलब ऐसा बिल्कुल नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप अपना ऑफिस छोड़कर जा रहे हैं। लेकिन रिजीम चेंज से मतलब ये कि अमेरिकन टर्मनलॉजी में कहे तो एक लेम डक प्रेसिडेंट बनकर ही रहेंगे। डेमोक्रेट्स की आंधी ने ट्रंप के किले को हरा कर रख दिया है। लेकिन इसके बावजूद ट्रंप का अहंकार वो जस का तस है। वो डेमोक्रेट्स के हर नेहले पर दहला फेंकने की तैयारी कर रहे हैं। इसका दावा कर रहे हैं। कई हफ्तों तक ट्रंप अपने समर्थकों से अपील करते रहे कि वे ऐसे वोट करें जैसे राष्ट्रपति पद के लिए खुद ट्रंप खड़े हो। उन्हें उम्मीद थी कि इससे रिपब्लिकन उम्मीदवारों को फायदा होगा। लेकिन जब नतीजे खराब आए तो उन्होंने इस बात को मानने से ही इंकार कर दिया कि मिड टर्म चुनावों का नतीजा उनके खिलाफ जनमत का किसी तरह का कोई संकेत है। आमतौर पर ट्रंप के समर्थन वाले उम्मीदवारों को चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करते देखा गया है। लेकिन इस बार वो वोटरों को अपने पक्ष में करने में नाकाम रहे। टेक्सस के सेनेट चुनाव में पैक्स्टन को हार का सामना करना पड़ा। जबकि ट्रंप ने उनका समर्थन किया था। नॉर्थ कैरोलना के सेनेट चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार रॉय कूपर को हराने के लिए ट्रंप ने माइकल वाटली को चुना था। लेकिन वाइटली यह मुकाबला हार गए। ओहायो में भी ट्रंप ने विवेक रामास्वामी के लिए रास्ता लगभग साफ कर दिया था।

अमेरिका के कई हिस्सों से आए ऐसे ही चौंकाने वाले नतीजों के लिए ट्रंप ने ईरान युद्ध को भी जिम्मेदार मानने से इंकार किया है। जबकि इसी युद्ध के बाद से ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग में सबसे बड़ी गिरावट आई है। अमेरिकी अखबार है, नाम है वॉल स्ट्रीट जनरल। से बातचीत में डोनल्ड ट्रंप ने कहा कि नतीजे खराब आने की वजहों में युद्ध महज एक छोटा हिस्सा है। उन्होंने बढ़ती कीमतों के लिए जिम्मेदार अपनी टेरिफ नीति को भी मानने से इंकार किया। जब बल्कि नतीजों के बाद भी उन्होंने यही कहा कि उनकी सरकार का एजेंडा पहले की तरह ही आगे बढ़ता रहेगा। तो क्या ऐसे में यह मान लिया जाए कि मिड टर्म चुनाव में हार के बावजूद डॉनल्ड ट्रंप ने अभी कोई सबक नहीं सीखा है।

भारत के लिए सबसे बड़ा लाभ कम कच्चे तेल की कीमतों के रूप में सामने आ सकता है। इससे आयात बिल घटेगा, रुपये पर दबाव कम होगा और महंगाई को नियंत्रण में रखने में मदद मिलेगी। साथ ही कमजोर डॉलर और नरम ट्रेजरी यील्ड विदेशी निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता बढ़ा सकते है, जिससे भारतीय बाजारों में निवेश प्रवाह को समर्थन मिल सकता है।

विधायी व्यवस्था के अनुसार, राष्ट्रपति का वीटो पूरी तरह से अंतिम नहीं होता। अगर अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनो हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोबारा दो-तिहाई बहुमत से उस विधेयक को पारित कर देते है तो राष्ट्रपति का वीटो बेअसर हो जाता है और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बिना भी विधेयक कानून बन जाता है।

हकीम जेफ्रीज ने हाउस के शुरुआती 100 घंटों में आम लोगों के खर्च का बोझ कम करने के लिए बड़ा कानूनी कदम उठाने का वादा किया है। उनकी प्राथमिकताओं में एक्सपायर हो चुकी अफोर्डेबल केयर एक्ट की हेल्थ इंश्योरेंस सब्सिडी बहाल करना, ट्रंप के कार्यकाल में मेडिकेड में की गई करीब 1 ट्रिलियन डॉलर की कटौती वापस लेना और टैरिफ हटाना शामिल है। डेमोक्रेट्स ईरान में लड़ाई खत्म करने पर भी जोर देंगे, जिससे ईंधन की कीमतें बढ़ी है।दोनों सदनों में बहुमत के साथ वे अपने प्रस्तावों पर वोट करा सकते है हालांकि, बजट को लेकर टकराव से सरकारी शटडाउन का खतरा भी है।

आज का इतिहास

1875 अंग्रेजी खोजकर्ता वर्नी कैमरून अफ्रीका को पूर्व से पश्चिम तक पार करने वाले पहले यूरोपीय बने।
1893 कोलोराडो महिलाओं को वोट देने का अधिकार देने वाला दूसरा अमेरिकी राज्य बन गया।
1945 हांगकांग में नौका दुर्घटना में 1550 लोगों की मौत हुई।
1956 संयुक्त राष्ट्र(संरा) ने तत्कालीन सोवियत संघ से यूरोपीय देश हंगरी से हटने की अपील की।
1957 ब्रिटेन ने क्रिसमस द्वीप समूह के समीप परमाणु परीक्षण किया।
1967 अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1988 चीन में विनाशकारी भूकंप से 900 लोगों की मौत हुई।
1989 न्यूयॉर्क शहर ने अपना पहला अफ्रीकी अमेरिकी मेयर डेविड डिंकिन्स को चुना।
1992 जर्मनी की राजधानी बर्लिन में नस्लवाद के खिलाफ हुए प्रदर्शन में तीन लाख लोगों ने हिस्सा लिया।
1998 बांग्लादेश में देश के प्रथम प्रधानमंत्री शेख़मुजीबुर्रहमान की हत्या में 15 लोगों को मृत्युदंड।
1999 राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर ने एक दिवसीय क्रिकेट मैच में 331 रन की साझेदारी कर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया।
2000 बिल क्लिंटन की पत्नी हिलेरी क्लिंटन ने न्यूयार्क सीट पर जीत दर्ज कर इतिहास रचा।
2001 अफ़ग़ानिस्तान पर पुन: ज़बर्दस्त बमबारी।
2002 अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन की दो दिवसीय बैठक मनीला में प्रारम्भ।
2003 लोकप्रिय क्रिसमस कॉमेडी फिल्म, एल्फ, संयुक्त राज्य अमेरिका में रिलीज़ हुई थी।
2004 हेग में सामाजिक भागीदारी बढ़ाने पर भारत व यूरोपीय संघ सहमत।
2005 भारत ने फ़िलिस्तीनि संगठनों की आतंकवादी कार्रवाई और इस्त्रायल की दमन की आलोचना की।
2005 रेडऑक्टेन ने उत्तरी अमेरिका में प्लेस्टेशन 2 के लिए गिटार हीरो जारी किया।
2008 भारत का पहला मानव रहित अंतरिक्ष मिशन चन्द्रयान-1 चन्द्रमा की कक्षा में पहुँचा।
2013 फिलीपींस के हेनान प्रांत में विनाशकारी चक्रवाती तूफान से छह हजार लोगों की मौत।
2016 भारत सरकार ने बड़े नोटों को विमुद्रीकरण किया जिसमें 500 और 1000 रुपये के नोटों का अवैध घोषित किया।
2016 सोमालिया के मोगादिशू में कार बम धमाके में 11 लोगों की मौत।

वोट चोरी के बहाने अराजक आंदोलन

सुरेश हिंदुस्तानी

देश के वर्तमान राजनीतिक वातावरण को लेकर जनमानस में अनेक प्रकार के सवाल उठ रहे हैं। इन सवालों के जवाब स्वाभाविक रूप से उन राजनीतिक दलों की ओर से अवश्य ही आना चाहिए, जो राजनीतिक धुरी के रूप में अपने आपको स्थापित करने का प्रयास करते हैं। वर्तमान में वोट चोरी को मुख्य मुद्दा बनाकर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमला करने का कोई मौका नहीं चूक रहा है, वहीं सत्ता पक्ष की ओर से भी जमकर प्रत्युत्तर देने का साहसिक प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में जनता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि होती है। लोकतंत्र के मायने भी यही हैं कि देश में जनता की सरकार है, राजनीतिक दलों की नहीं। जनता अपने प्रतिनिधि के रूप में इन्हें चुनकर भेजती है।

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और जनादेश की अभिव्यक्ति हैं। वर्तमान में विपक्ष खासकर कांग्रेस की ओर से चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठा रही है। यह विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सवाल उठाने और संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा कर राजनीतिक अराजकता पैदा करने के बीच एक स्पष्ट अंतर है। दुर्भाग्य से कांग्रेस आज इसी अंतर को समझने में असफल दिखाई दे रही है। वोट चोरी के आरोपों को आधार बनाकर आंदोलन खड़ा करने की उसकी कोशिश राजनीतिक रणनीति से अधिक अपनी हताशा और दिशाहीनता का प्रदर्शन प्रतीत होती है।

लोकतंत्र में विरोध का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी मर्यादा भी है। यदि किसी राजनीतिक दल को लगता है कि चुनाव प्रक्रिया में अनियमितता हुई है, तो उसके पास संवैधानिक और कानूनी मंच उपलब्ध हैं। उसे तथ्यों, प्रमाणों और ठोस तर्कों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए। लेकिन किसी संवैधानिक पद पर बैठे मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को आंदोलन का केंद्रीय विषय बना देना क्या उचित राजनीतिक तरीका है? मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की एक निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया है। उसे राजनीतिक दबाव और सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन के माध्यम से प्रभावित करने की कोशिश लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा के अनुकूल नहीं कही जा सकती।

कांग्रेस को यह समझना होगा कि चुनाव में लगातार मिल रही पराजय का पूरा दोष चुनाव आयोग या मुख्य चुनाव आयुक्त पर डालकर वह अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों से बच नहीं सकती। कांग्रेस की चुनावी चुनौतियां आज की नहीं हैं। पार्टी लंबे समय से अनेक राज्यों और राष्ट्रीय स्तर पर जनसमर्थन खोती रही है। इसके पीछे संगठनात्मक कमजोरी, नेतृत्व का संकट, स्थानीय स्तर पर प्रभावी नेतृत्व का अभाव और जनता से टूटता संवाद जैसे अनेक कारण हैं। इन कारणों का आत्मविश्लेषण करने के बजाय हर पराजय के बाद चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगाना समस्या का समाधान नहीं है।

कांग्रेस ने अपने आंदोलन के लिए समय का चयन भी ठीक नहीं किया। देश में दीपावली का उत्सव निकट है। बाजारों में रौनक है, व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों को



सजाने, कारोबार बढ़ाने और ग्राहकों की तैयारी में व्यस्त हैं। आम परिवार खरीदारी, त्योहार की तैयारियों और पारिवारिक जिम्मेदारियों में जुटे हैं। ऐसे समय में व्यापक जनभागीदारी की अपेक्षा करना व्यावहारिक राजनीतिक समझ का परिचय नहीं देता। स्वाभाविक है कि आंदोलन में अपेक्षित संख्या नहीं जुट पाई। राजनीति केवल नारे लगाने से नहीं चलती, इसके लिए समाज की मन:स्थिति, समय और परिस्थितियों को समझना भी आवश्यक है।

विशेष रूप से व्यापारी वर्ग की भावनाओं को नजरअंदाज करना कांग्रेस की रणनीतिक भूल कही जा सकती है। त्योहारों का समय व्यापारियों के लिए वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी अवसरों में से एक होता है। व्यापारी वर्ग यदि आंदोलन के समय और स्वरूप को लेकर अपनी असहमति व्यक्त कर रहा था, तो कांग्रेस नेतृत्व को उसके अनुरोध पर गंभीरता से विचार करना चाहिए था। लोकतांत्रिक राजनीति का अर्थ समाज के विभिन्न वर्गों की परेशानियों और प्राथमिकताओं को समझना है, न कि अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार उनसे सहभागिता की अपेक्षा करना।

कांग्रेस को यह भी समझना होगा कि सत्ता का रास्ता आंदोलन की भीड़ से नहीं, जनता के विश्वास से होकर गुजरता है। यदि पार्टी वास्तव में सत्ता में वापसी चाहती है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। किसानों के लिए उसकी क्या नीति है? युवाओं को रोजगार देने की उसकी योजना क्या है? महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास को लेकर उसका दृष्टिकोण क्या है? देश की बदलती आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप उसका भविष्य का विजन क्या है? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर जनता के सामने रखने होंगे।

आज कांग्रेस की राजनीति का बड़ा हिस्सा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध के इर्द-गिर्द घूमता दिखाई देता है। किसी भी लोकतंत्र में सरकार की आलोचना आवश्यक है, लेकिन केवल विरोध करना राजनीतिक विकल्प प्रस्तुत करना नहीं होता। जनता यह जानना चाहती है कि वर्तमान सरकार की नीतियों में कमियां बताने वाली पार्टी स्वयं सत्ता में आने पर क्या अलग करेगी। केवल मोदी विरोध के सहारे जनसमर्थन हासिल करने की कोशिश कांग्रेस को राजनीतिक रूप से मजबूत नहीं कर सकती। उसे अपनी उपलब्धियों, नीतियों, कार्यक्रमों और भविष्य की कार्ययोजना के आधार पर जनता का विश्वास अर्जित करना होगा।

इस पूरी राजनीतिक स्थिति में कांग्रेस के सलाहकारों की भूमिका पर भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। आखिर कौन लोग हैं जो पार्टी को ऐसे समय में आंदोलन की सलाह दे रहे हैं, जब देश का बड़ा वर्ग दीपावली की तैयारियों में व्यस्त है? कौन हैं जो जनता की वास्तविक प्राथमिकताओं से अलग राजनीतिक रणनीति बना रहे हैं? क्या पार्टी का नेतृत्व जमीनी परिस्थितियों का सही आकलन कर पा रहा है? यदि सलाहकार लगातार ऐसी रणनीतियां प्रस्तुत कर रहे हैं, जिनसे पार्टी को राजनीतिक लाभ के बजाय नुकसान हो रहा है, तो उन्हें बदलने में ही कांग्रेस की भलाई है।

विपक्ष का मजबूत होना लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। लेकिन मजबूत विपक्ष वह होता है जो सरकार की गलतियों को तथ्यों के साथ उजागर करे, जनता के मुद्दों पर संघर्ष करे और देश को एक विश्वसनीय विकल्प दे। लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाने से पहले अपने राजनीतिक आचरण और संगठनात्मक कमजोरियों का मूल्यांकन भी करे।

कांग्रेस के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती केवल सत्ता में वापसी नहीं, बल्कि जनता के बीच खोया हुआ विश्वास वापस हासिल करना है। इसके लिए उसे आरोपों की राजनीति से बाहर निकलकर सकारात्मक एजेंडे की राजनीति अपनानी होगी। क्योंकि लोकतंत्र में सत्ता का रास्ता संवैधानिक संस्थाओं से टकराव, आरोपों और अराजक आंदोलनों से नहीं, बल्कि जनता के दरवाजे तक पहुंचने और उसका विश्वास जीतने से बनता है। कांग्रेस को यह बात जितनी जल्दी समझ आ जाए, उतना ही उसके राजनीतिक भविष्य के लिए बेहतर होगा। कांग्रेस को वोट चोरी के आरोपों से आगे बढ़कर अपनी राजनीतिक विश्वसनीयता, संगठन और वैकल्पिक विजन पर काम करना होगा। सत्ता का रास्ता जनता के बीच से होकर जाता है, टकराव की राजनीति से नहीं।

अकाली दल पुनर सुरजीत के लिए राजनीतिक जमीन बचाने की चुनौती

सुरिंदर पाल

पंजाब की अकाली राजनीति में नए विकल्प के तौर पर उभरा अकाली दल पुनर सुरजीत गठन के महज एक साल के भीतर ही बिखराव की स्थिति में पहुंच गया है। 11 अगस्त 2025 को ज्ञानी हरप्रीत सिंह की अगुवाई में गठित इस संगठन से अब एक-एक कर दिग्गज नेता किनारा कर रहे हैं। कभी पूर्व सांसद प्रो. प्रेम सिंह चंदूमाजरा, पूर्व मंत्री सुखदेव सिंह ढींडसा के बेटे परमिंदर सिंह ढींडसा, मनप्रीत सिंह अयाली, सुरजीत सिंह रखड़ा, गुरप्रताप सिंह वड़ाला और इकबाल सिंह झुंदा जैसे नेताओं की मौजूदगी से मजबूत दिखने वाले इस संगठन के सामने अब अपनी राजनीतिक जमीन बचाने की चुनौती है। संगठन से नेताओं के अलग होने का सिलसिला गठन के कुछ समय बाद ही शुरू हो गया था। सबसे पहले चरणजीत सिंह बराड़ ने संगठन से दूरी बनाकर भाजपा का दामन थाम लिया। इसके बाद 4 अप्रैल 2026 को पूर्व मंत्री जत्थेदार तोता सिंह के बेटे बरजिंदर सिंह उर्फ मखन बराड़ ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। अप्रैल में ही वह सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व वाले शिरोमणि अकाली दल में लौट गए। मई 2026 में पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरजीत सिंह रखड़ा को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में संगठन से निष्कासित कर दिया गया। 16 मई को उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान की मौजूदगी में आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। इसी दौरान दाखा से विधायक मनप्रीत सिंह अयाली ने भी संगठन से दूरी बना ली। 20 मई को उन्होंने पुनर सुरजीत के सभी पदों और समन्वय समिति के संयोजक पद से इस्तीफा दे दिया। 9 जून को वह अमृतपाल सिंह के नेतृत्व वाले अकाली दल वारिस पंजाब दे में शामिल हो गए। अयाली के साथ जुड़े पूर्व विधायक इकबाल सिंह झुंदा ने भी जुलाई 2026 में संगठन से अलग होकर अपने समर्थकों के साथ वारिस पंजाब दे को समर्थन देने का एलान किया। अब 4 नवंबर 2026 को पूर्व सांसद प्रो. प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने भी ज्ञानी हरप्रीत सिंह के नेतृत्व वाले अकाली दल पुनर सुरजीत से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पंथक एकता के मुद्दे पर नेतृत्व से मतभेदों को इसकी वजह बताया। वह सभी अकाली और पंथक संगठनों को एक मंच पर लाने के पक्षधर थे, लेकिन इस पर सहमति नहीं बन पाई। दरअसल, संगठन के गठन के समय इसे अकाली राजनीति में नए विकल्प और सुधार की मुहिम के तौर पर पेश किया गया था। इसका उद्देश्य पुराने सिद्धांतों और पंथक संस्थाओं की गरिमा के अनुरूप अकाली दल को दोबारा खड़ा करना बताया गया था। हालांकि नेतृत्व, राजनीतिक रणनीति, दूसरे पंथक संगठनों के साथ तालमेल और चुनावी रास्ते को लेकर मतभेद लगातार सामने आते रहे। वारिस पंजाब दे के साथ गठबंधन की कोशिश भी संगठन को एकजुट नहीं रख सकी। अब स्थिति यह है कि सुरजीत सिंह रखड़ा आम आदमी पार्टी, चरणजीत सिंह बराड़ भाजपा, मनप्रीत सिंह अयाली और इकबाल सिंह झुंदा वारिस पंजाब दे के साथ हैं, जबकि मखन बराड़ और प्रो. प्रेम सिंह चंदूमाजरा की वापसी पुराने अकाली दल की ओर हो रही है। शिरोमणि अकाली दल में बिखराव और एकजुटता का यह पहला दौर नहीं है। 14 दिसंबर 1920 को गठित पार्टी अपने 106 साल के इतिहास में कई बार विभाजन और एकजुटता के दौर से गुजर चुकी है। ऐसे में अकाली दल पुनर सुरजीत के भीतर मौजूदा टूट को भी पंजाब की अकाली राजनीति के इसी उतार-चढ़ाव के एक नए अध्याय के तौर पर देखा जा रहा है।

यूपी में ओवैसी ने चला नया दांव, मायावती से गठबंधन की तैयारी

नीरज कुमार दुबे

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मुस्लिम और दलित वोटों को लेकर नई सियासी गोलबंदी की कोशिश तेज हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सीधे उनके मुस्लिम वोट बैंक को चुनौती देना शुरू कर दिया है। इसी के साथ ओवैसी की नजर मायावती की बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन पर है। 'भीम और मीम' के नाम से उभर रही यह पहल यूपी की सियासत में नए समीकरण बनाने और अखिलेश यादव की राजनीतिक पकड़ को चुनौती देने की कोशिश के तौर पर देखी जा रही है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं के बीच समाजवादी पार्टी लंबे समय से अपनी मजबूत राजनीतिक पकड़ का दावा करती रही है। अखिलेश यादव की राजनीति का एक महत्वपूर्ण आधार मुस्लिम-यादव समीकरण रहा है। लेकिन ओवैसी इसी समीकरण में सेंध लगाने की रणनीति के साथ मैदान में उतरते दिखाई दे रहे हैं। उनकी सभाओं में अब भाजपा से ज्यादा समाजवादी पार्टी और उसके नेतृत्व पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ओवैसी का आरोप है कि चुनाव के वक्त मुस्लिम समुदाय से समर्थन मांगा जाता है, लेकिन सत्ता और राजनीतिक हिस्सेदारी के सवाल पर उसे अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं मिलता।

ओवैसी की इस आक्रामकता के पीछे 2027 का चुनावी लक्ष्य साफ दिखाई देता है। वह उन विधानसभा क्षेत्रों में लगातार सभाएं कर रहे हैं, जहां समाजवादी पार्टी का



प्रभाव रहा है। बहराइच के मटेरा से लेकर कैराना, रामपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर और बिजनौर तक उनकी सभाओं का सिलसिला इसी रणनीति का हिस्सा है। कैराना की सभा में उन्होंने अखिलेश यादव पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि मुस्लिम बहुल क्षेत्रों से पहले मुस्लिम प्रतिनिधि चुने जाते थे, लेकिन अब वहां भी यादव परिवार के सदस्यों को राजनीतिक अवसर मिल रहे हैं।

रामपुर में आजम खान का मुद्दा उठाकर ओवैसी ने अखिलेश यादव के नेतृत्व पर एक और सवाल खड़ा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब मुस्लिम नेताओं और कार्यकर्ताओं पर मुश्किलें आती हैं, तब समाजवादी पार्टी का नेतृत्व उतनी मजबूती से उनके साथ खड़ा नहीं होता, जितनी मजबूती से चुनाव के दौरान मुस्लिम मतदाताओं से समर्थन मांगता है। मुजफ्फरनगर दंगों का मुद्दा उठाकर भी वह अखिलेश सरकार के कार्यकाल को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं।

लेकिन ओवैसी की राजनीति का दूसरा और ज्यादा महत्वपूर्ण पहलू मायावती के साथ संभावित गठबंधन है। एआईएमआईएम के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन चाहती है। उनका कहना है कि दलितों और मुसलमानों का सामाजिक गठजोड़ स्वाभाविक राजनीतिक साझेदारी हो सकता है। पार्टी ने 2027 के चुनाव में लगभग 100 सीटों पर तैयारी करने की बात भी कही है।

यहीं से यूपी की जातीय और सामाजिक राजनीति में नए समीकरण की चर्चा तेज हो जाती है। राज्य की आबादी में दलितों की हिस्सेदारी लगभग 21 प्रतिशत और मुसलमानों की हिस्सेदारी करीब 19 प्रतिशत बताई जाती है। दोनों समुदायों की सामाजिक उपस्थिति और कई विधानसभा क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव इस प्रस्तावित गठबंधन को राजनीतिक चर्चा के केंद्र में ला रहा है। हालांकि मायावती की ओर से इस गठबंधन पर सहमति का कोई औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है। ओवैसी की नजर चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी पर भी है।

देखा जाये तो ओवैसी के लिए बिहार का अनुभव भी इस रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 28 सीटों पर चुनाव लड़कर पांच सीटें जीती थीं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में भी पार्टी अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान और सीटों पर दावेदारी को लेकर अधिक सक्रिय नजर आ रही है। इसके उलट 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 95 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उसे कोई सीट नहीं मिली थी और पार्टी का कुल वोट प्रतिशत लगभग दो फीसदी रहा था।

इस बीच, भाजपा भी ओवैसी की मायावती से नजदीकी की कोशिशों को राजनीतिक नजरिए से देख रही है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने इसे सकारात्मक संकेत बताते हुए कहा कि यदि एआईएमआईएम और बसपा साथ आते हैं तो मुस्लिम मतों के विभाजन का असर समाजवादी पार्टी पर पड़ सकता है। इस तरह, अखिलेश यादव के सामने अब चुनौती सिर्फ भाजपा से मुकाबले की नहीं, बल्कि अपने पारंपरिक राजनीतिक आधार को संभाले रखने की भी है। ओवैसी मुस्लिम मतदाताओं के बीच राजनीतिक हिस्सेदारी का सवाल उठा रहे हैं, जबकि मायावती के साथ संभावित गठबंधन की चर्चा दलित राजनीति को भी इस बहस के केंद्र में ला रही है।

बहरहाल, यूपी की सियासत में चुनाव से पहले गठबंधन बनते और बिगड़ते रहे हैं, लेकिन इस बार 'भीम और मीम' की चर्चा ने मुकाबले के पुराने समीकरणों को फिर बहस में ला दिया है। सवाल यह है कि क्या ओवैसी और मायावती के बीच राजनीतिक तालमेल की जमीन तैयार होगी या यह पहल समाजवादी पार्टी पर दबाव बनाने की रणनीति तक सीमित रहेगी? फिलहाल इतना तय है कि 2027 की चुनावी बिसात पर मुस्लिम प्रतिनिधित्व, दलित नेतृत्व और राजनीतिक हिस्सेदारी के सवालों ने नई जगह बना ली है।

ट्रंप की शक्तियों पर अंकुश से नई दिल्ली को कुछ राहत मिली

प्रवीण कौशल

पिछले दो वर्षों से भारत को ट्रंप प्रशासन की ओर से लगातार झटके मिलते रहे हैं। इसलिए, मैं समझ सकता हूं कि बुधवार की सुबह भारत में बड़ी संख्या में लोगों को राहत और खुशी क्यों महसूस हुई। अमेरिकी मतदाताओं ने मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को करारी शिकस्त दी। पार्टी को उन सीटों से भी हाथ धोना पड़ा, जिन पर दशकों से उसका कब्जा था। ट्रंप के समर्थन से ओहियो के गवर्नर पद का चुनाव लड़ रहे विवेक रामास्वामी तो भारत में ज्यादातर लोगों का नाश्ता खत्म होने से पहले ही चुनावी दौड़ से बाहर हो गए। नतीजों के बाद ट्रंप ने सफाई दी कि वह खुद चुनाव नहीं लड़ रहे थे। हालांकि, प्रचार के दौरान उन्होंने मतदाताओं से कहा था कि इस चुनाव को ऐसा समझें, मानो वह खुद मैदान में हों।

भारत की शिकायतों की फेहरिस्त काफी लंबी है। भारतीय सामान पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया गया। नई एच-1बी वीजा याचिकाओं पर एक लाख डॉलर की फीस लगा दी गई, जिसका सबसे अधिक असर भारतीय इंजीनियरों पर पड़ा। भारत वापस भेजे गए लोगों को हथकड़ियां और बेड़ियां पहनाकर सैन्य विमान से यहां लाया गया। ट्रंप ने भारतीय अर्थव्यवस्था को 'मृत' तक बता दिया। वह बार-बार दावा करते रहे कि उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' रुकवाया है, जबकि भारत इसे लगातार खारिज करता रहा। उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता करने की पेशकश भी की, जबकि भारत ने किसी तीसरे देश की दखलंदाजी को हमेशा अस्वीकार किया है। इतना ही नहीं, संघर्ष समाप्त होने के कुछ ही हफ्तों बाद उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख को व्हाइट हाउस में दोपहर के भोजन पर आमंत्रित किया। ऐसे में, ट्रंप की शक्तियों पर



अंकुश लगना स्वागतयोग्य है। लेकिन, दिल्ली में जश्न शुरू करने से पहले मैं थोड़ी सावधानी बरतने की सलाह दूंगा, क्योंकि किसी पर लगाम कसने का मतलब यह नहीं है कि उसके पिछले फैसलों को पूरी तरह पलट दिया जाएगा।

डेमोक्रेट्स के लिए भी ऐसा करना संभव नहीं होगा। दरअसल, भारत को प्रभावित करने वाले लगभग सभी बड़े फैसले राष्ट्रपति के अधिकारों, खासकर आपातकालीन शक्तियों के आधार पर लिए गए हैं। टैरिफ हटाने के लिए यदि कोई विधेयक पारित भी होता है, तो उसे ट्रंप की मंजूरी के लिए भेजना होगा और उनके वीटो करने की पूरी आशंका है। और, वीटो को निष्प्रभावी करने के लिए जरूरी बहुमत डेमोक्रेट्स के पास नहीं है। ऐसे में, फरवरी तक टैरिफ, वीजा शुल्क और रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत पर दबाव बना रह सकता है।

अगर मुझे मंगलवार से भारत को मिलने वाले सबसे बड़े फायदे का नाम लेना हो, तो वह कच्चे तेल की कीमतों से जुड़ा होगा। भारत अपनी कुल जरूरत का करीब 88 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। ईरान युद्ध शुरू होते ही वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। इसके बावजूद, भारत ने अपेक्षा से कहीं बेहतर तरीके से हालात संभाले। चुनाव नतीजे आने के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई है। डॉलर कमजोर हुआ है और अमेरिकी बॉन्ड पर मिलने वाला ब्याज (यील्ड) भी घटा है। इससे भारत में महंगाई घट सकती है, रुपये को स्थिरता मिल सकती है और तेल आयात पर होने वाला खर्च भी कम होगा।

डेमोक्रेट्स से भारत के पक्ष में फैसलों की उम्मीद करना स्वाभाविक है, पर मुझे नहीं लगता कि ऐसा कुछ होने वाला है। डेमोक्रेटिक पार्टी कभी भी मुक्त व्यापार की समर्थक नहीं रही है। रूस के मामले में भी डेमोक्रेट्स का रुख ट्रंप से कहीं अधिक सख्त है। ऐसे में, यदि कांग्रेस रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने का दबाव बनाती है, तो भारतीय तेल रिफाइनरियों के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वीजा के मामले में कांग्रेस भारत की मदद कर सकती है। हालांकि, एच-1बी वीजा की फीस तय करना राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र में आता है। कांग्रेस इस फीस को राजनीतिक रूप से विवादास्पद और महंगा मुद्दा जरूर बना सकती है, लेकिन उसे सीधे रद्द नहीं कर सकती। दूसरी ओर, कंपनियां भी अब कर्मचारियों को कैलिफोर्निया बुलाने के बजाय बंगलूरू और हैदराबाद में ही नियुक्ति कर रही हैं। यह बदलाव किसी एक चुनाव के नतीजे से पलटने वाला नहीं है।

घरेलू मोर्चे पर घिरे ट्रंप के फैसले और भी जोखिम भरे हो सकते हैं। यही वह पहलू है, जो मुझे सबसे ज्यादा चिंतित करता है। जब कोई राष्ट्रपति अपने ही देश में राजनीतिक नियंत्रण खोने लगता है, तो अक्सर वह उन क्षेत्रों में अपनी ताकत दिखाने की कोशिश करता है, जहां उसे अकेले फैसले लेने की छूट होती है। ट्रंप के मामले में ये क्षेत्र व्यापार और विदेश नीति हैं। ऐसे में, ट्रंप प्रशासन भारत पर अपनी शर्तों के मुताबिक रुका हुआ व्यापार समझौता जल्द करने के लिए दबाव बढ़ा सकता है।

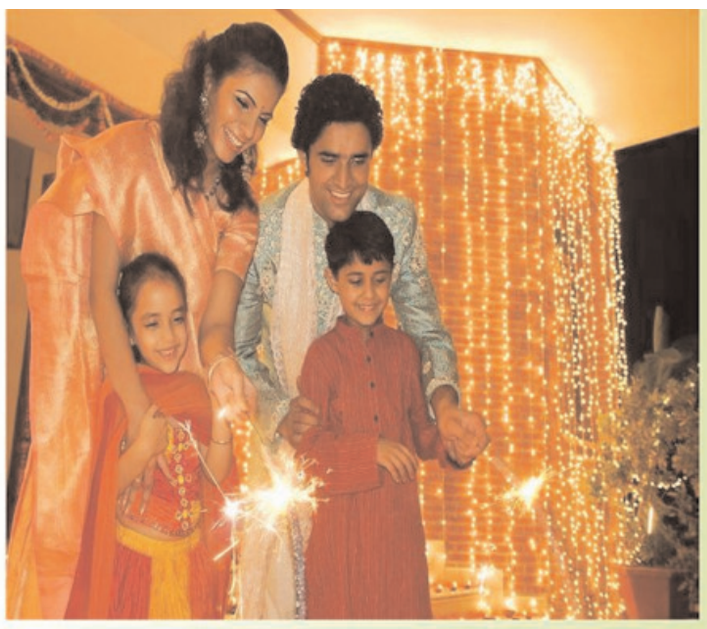
पिछले दो वर्षों में नई दिल्ली का जो रुख रहा है, वह कुल मिलाकर कारगर साबित हुआ है। भारत ने न तो कोई जवाबी कार्रवाई की और न ही दबाव के आगे घुटने टेके। उसने वाशिंगटन के साथ रक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने संबंध आगे बढ़ाए। यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ भी व्यापार समझौते किए। उसने जहां से भी आर्थिक रूप से फायदेमंद लगा, वहां से तेल खरीदना जारी रखा। भारत को इसी नीति पर आगे बढ़ना चाहिए। भारत किसी भी अमेरिकी राजनीतिक दल के प्रति वफादार रहने के लिए बाध्य नहीं है। अतीत में डेमोक्रेटिक प्रशासन भी भारत के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं, जबकि रिपब्लिकन भारत के लिए मददगार साबित हुए हैं। समझदारी इसी में है कि वाशिंगटन में जिसके पास भी संबंधित अधिकार या प्रभाव हो, उसके साथ हर मुद्दे पर अलग-अलग काम किया जाए, न कि किसी एक राजनीतिक दल पर दांव लगाया जाए।

अमेरिकी मतदाताओं के लिए सबसे बड़ा मुद्दा अर्थव्यवस्था थी। पेट्रोल, रोजगार, राशन, मकान का किराया और नौकरियां उनकी प्रमुख चिंताएं थीं। उन्होंने किसी विचारधारा के विरोध में ट्रंप को नकारने का फैसला नहीं किया, बल्कि इसलिए नाराज हुए, क्योंकि ट्रंप के कार्यकाल में जीवनयापन लगातार महंगा होता गया। दूसरी ओर, सरकार टैरिफ, युद्ध और राजनीतिक लड़ाइयों में उलझी रही। मुझे लगता है कि लोगों का यह मिजाज सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है। हर जगह लोग गुस्से पर आधारित राजनीति से थक चुके हैं। लोग बहुत जटिल चीजें नहीं चाहते; वे बस एक किफायती जीवन, थोड़ी सुरक्षा और कम उथल-पुथल चाहते हैं। ट्रंप को इस हफ्ते पता चल गया कि जब कोई सरकार इन बुनियादी बातों से नजर हटा लेती है, तो क्या होता है।

दुनिया के सबसे ताकतवर इंसान से बेहद कमजोर बनते ट्रम्प

शोभना जैन

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को बुरी तरह से पराजय का सामना करना पड़ा है और प्रतिद्वंद्वी रिपब्लिकन पार्टी को न केवल चुनावी सर्वे के आंकड़ों से कहीं ज्यादा बल्कि पिछले कुछ दशकों की सबसे बड़ी मिडटर्म इलेक्शन जीत मिली है। दरअसल अगर देखें तो इस विजय की बड़ी वजह डेमोक्रेटिक पार्टी का चुनावी एजेंडा/ नीतियां नहीं रहीं अपितु इसे ट्रम्प की कथित तौर पर जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनसाधारण का जबर्दस्त जनादेश कहा जा सकता हैं। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की ही तरह स्वयं ट्रम्प ने ईरान युद्ध संबंधी अपनी नीतियों, ईरान युद्ध को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रम्प भले ही अपनी हार का ठीकरा ईरान युद्ध पर थोप रहे हों लेकिन घरेलू मोर्चे पर सुरसा सी बढ़ती महंगाई के कारण लोगों का जीवन-यापन लगातार मुश्किल होता जा रहा है। युद्ध की वजह से बढ़ती डीजल-पेट्रोल की कीमतों ने आम अमेरिकी की कमर तोड़ दी है और फिर अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर जैसे इजराइल की आक्रामकता को लेकर देश में बढ़ते विरोध को नजरंदाज कर अड़ियल रुख अपनाते हुए इजराइल की नेतन्याहू सरकार का साथ देते जाना भी उनके खिलाफ गया। ट्रम्प अभी तक एक तरह से निरंकुश राष्ट्रपति की तरह जनसाधारण को नजरअंदाज करके अपनी नीतियां बनाकर प्रशासनिक फैसले ले रहे थे। लेकिन इन नए समीकरणों के बाद राष्ट्रपति के अपने शेष दो वर्ष के कार्यकाल में अब उनकी कार्यशैली कैसी रहेगी, यह देखना होगा। सच्चाई यही है कि उन्हें अब काफी सोच-समझ कर फैसले लेने होंगे। क्योंकि दोनों सदनों में बहुमत वाली डेमोक्रेट्स की पार्टी उन्हें मनमाने फैसले लेने नहीं देगी। चुनाव नतीजों से तो यही लगता है कि जनता ट्रम्प से तंग आ चुकी है, इसलिए अमेरिकियों ने ट्रम्प और उनकी रिपब्लिकन पार्टी को ध्वस्त कर दिया। अगर ट्रम्प की पराजय से भारत पर पड़ने वाले प्रभाव, खास तौर पर ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ के फंदे की बात करें तो डेमोक्रेट के बहुमत वाली कांग्रेस ट्रम्प की आक्रामक और बेवजह की व्यापार व टैरिफ नीतियों की कड़ी जांच-पड़ताल करेगी। इसलिए भारत को कुछ फौरी राहत तो प्रतीत होती है लेकिन जानकारों का मत है कि इन जटिल मसलों पर ज्यादा कुछ बदलने वाला नहीं है। हालांकि बड़ी तादाद में भारतवंशियों के नीति निर्धारक निकायों में चुन कर आने से वहां अप्रवासी भारतीयों के खिलाफ अक्सर की जाने वाली विरोधी टिप्पणियों और उन्हें देश से बाहर भेजे जाने की धमकियों में कुछ लगाम लग सकती है। इन चुनावों का भारत के लिए एक सुखद पहलू ये रहा कि डेमोक्रेट पार्टी से सारे प्रत्याशी यानी भारतीय मूल के छह प्रत्याशी विजयी रहे, जबकि रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से खड़े हुए भारतवंशी विवेक रामास्वामी चुनाव हार गए। इन चुनावों में अपनी पार्टी की हार के अंदेशे से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मिडटर्म इलेक्शन वाले इस साल की शुरुआत रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं को चेतावनी देते हुए चेतावनी देते हुए की थी। जनवरी में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के रिपब्लिकन सांसदों से ट्रम्प ने कहा था, ''आपको मिड टर्म इलेक्शन जीतने ही होंगे। अगर हम मिड टर्म इलेक्शन नहीं जीतते हैं, तो वे मुझे महाभियोग के जरिये पद से हटाने का कोई न कोई बहाना ढूंढ़ लेंगे।'' हालांकि, इससे पहले भी डेमोक्रेटिक पार्टी के नियंत्रण वाली कांग्रेस ट्रम्प के खिलाफ महाभियोग चला चुकी है, लेकिन तब भी उन्हें राष्ट्रपति पद पर बने रहने से नहीं रोका जा सका था। बहरहाल ये सभी नवनिर्वाचित सदस्य अगले वर्ष जनवरी में कार्यभार संभालेंगे तब तक दोनों सदनों की संरचना पूर्ववत रहेगी। इसके बाद ईरान युद्ध पर वे डेमोक्रेट्स के साथ मिल कर आगे क्या कदम उठाते हैं, ये देखना होगा। हार के बाद शुरुआती आक्रामक तेवर के बाद उन्होंने कहा था कि वे डेमोक्रेट्स के साथ मिल कर काम करेंगे। वहां के घटनाक्रम पर भारत सहित दुनिया की नजरें टिकी हैं।



आतिशबाजी के समय बच्चों का रखें ध्यान

बच्चों को आतिशबाजी और पटाखे के कारण दीपावली का साल भर से इंतजार रहता है। पटाखे जलाने के दौरान बच्चों को जो खुशी मिलती है उसका कहना ही क्या। इस दौरा उनके साथ बड़े भी शामिल हो जाते हैं। उमंग और उत्साह के इस पर्व के दौरान सावधानी रखनी भी जरुरी है क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। इसलिए पटाखे जलाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखें और और सुरक्षित दीपावली मनाएं। इन दिनों की जा रही रौशनी के पहले बल्ब और तार को ठीक से जांचे-परखे लें। इनसे बच्चों को करेंट लगने का खतरा रहता है।

पटाखे खरीदते समय हमेशा क्वॉलिटी का ध्यान रखें। सामान्य पटाखे की जगह ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल कर सकते है। दिवाली से पहले केंद्र सरकार द्वारा इन्हें जारी किया गया है इसमें अनार, पेंसिल, चकरी, फुलझड़ी व सुतली बम शामिल है।

घर में पटाखे ऐसी जगह पर रखें, जो बच्चों की पहुंच से दूर हों।

ऊपर की मंजिल पर रहने वाले बच्चों को भूलकर भी बालकनी से नीचे पटाखे जलाकर नहीं फेंकने चाहिए। वाहनों पर जलते पटाखे फेंकने जैसा मजाक भी नहीं करना चाहिए। इससे हादसों का खतरा रहता है। आतिशबाजी चलाते वक्त बच्चों को पटाखों से निश्चित दूरी बनाए रखने के बारे में समझाएं। उन्हें बताएं कि वे पटाखों को झुककर न जलाएं। नवजात शिशु और छोटे बच्चों के आसपास तेज आवाज वाले पटाखे न जलाएं। बच्चों को पटाखे जेब में डालकर घूमने न दें, क्योंकि पटाखों का जहरीला मसाला हाथों में लग जाने से त्वचा को नुकसान हो सकता है। पटाखे चलाते समय सूती और चुस्त कपड़े पहनें। ढीले, झालरों वाले और जरुरत से ज्यादा लंबी आस्तीन के कपड़े नहीं पहनें।

इसके साथ ही पानी से भरी एक बाल्टी रखें जिसमें जली हुई फुलझड़ी व आदि डाल दें।

किसी भी प्रकार के प्राथमिक उपचार के लिए जलने पर लगायी जाने वाली दवा भी रखें। पटाखे जलाते समय पैरों में चप्पल आदि पहनी होनी चाहिये क्योंकि ऐसा नहीं होने पर किसी भी जले हुए पटाखें से पैर जल सकता है।

धूमधाम से मनाएं दिवाली, आतिशबाजी छुड़ाने पर ध्यान रखें ये बातें

देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। रंगोली बनाते हैं और सभी दोस्तों और रिश्तेदारों को शुभकामनाएं देते हैं। मिठाइयां बांटते हैं और पटाखे जलाते हैं। पटाखे जलाते समय हमें अपनी और अपनों की सुरक्षा का ध्यान भी रखना चाहिए, क्योंकि जरा सी लापरवाही न सिर्फ आंखों में चोट का कारण बन सकती है, साथ ही पटाखों से निकलने वाले प्रदूषण के कारण भी आंखों को दीर्घकालिक क्षति का खतरा रहता है। विशेषकर बच्चों में इस तरह के जोखिम अधिक देखे जाते रहे हैं।

यद्यपि पटाखों को जलाना निषिद्ध है और विशेषज्ञों की दृष्टि से उचित नहीं है। पटाखे न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करता है बल्कि ध्वनि प्रदूषण का कारण बनता है और हाथ और आंखों की चोटों के लिए जिम्मेदार है। अगर आप पटाखों या दीयों का उपयोग कर रहे हैं तो हाथ और आंखों की चोटों को रोकने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतें।

खुले स्थानों पर ही जलाएं पटाखें : कोशिश करें कि पटाखों को दूर और खुले स्थानों पर ही जलाएं। पटाखों के एकदम नजदीक जाने से बचें। पटाखों को अपने चेहरे को तो बहुत ही दूर रखें। अगर कोई पटाखा न फूटे तो उसके पास जाकर उसे हाथ से न छूएं और न ही हाथ से उठाएं। हो सकता है कि वो पटाखा आप के हाथ में ही फट जाए। बच्चों को अकेले पटाखे जलाने के लिए ना भेजें।

आंखों को पहुंच सकता है नुकसान : आंखों में कट, सुपरफिशियल एब्रेशन, ग्लोब इंज्योरी, केमिकल एण्ड थर्मल बर्न हो सकता है। अगर आप को आंखों में दर्द, लाल होना, सूजन, जलन, आंख खोलने और बंद करने में परेशानी या फिर दिखाई न देना जैसी समस्याएं हो रही है तो तुरंत नेत्र चिकित्सक के पास जाना चाहिए।

पटाखों को कभी ना जलाएं टिन या शीशे की बोतल में : अतिशबाजी से सबसे ज्यादा क्षति तब होती है जब इन पटाखों को टिन या शीशे की बोतल में रखकर जलाया जाता है ताकि ज्यादा शोर हो, लेकिन कभी भी आसपास खड़े लोगों को नुकसान पहुंच सकता है इसलिए न ऐसा करे और न ही किसी को ऐसा करने दें। पटाखों के अंदर से निकला हुआ कार्बन और अन्य विषाक्त पदार्थ आंखों के उतकों, नसों और अन्य मुलायम लिगामेंट्स को क्षति पहुचा सकते हैं। बोतल में जलाए जाने वाले राकेट लोगों के चेहरों पर उड़कर लग जाते हैं जिसके कारण आंखों में चोट के सबसे ज्यादा मामले देखे जाते हैं। पटाखों के नजदीक से फटने से आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

कान्टैक्ट लेंस पहनने वाले रखें ध्यान : कान्टैक्ट लेंस पहनते वाले लोगों को दिवाली में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। पटाखों को जलाने से पहले कान्टैक्ट लेंस निकाल लेना चाहिए। कान्टैक्ट लेंस की जगह चश्मा पहनकर रखें, नहीं तो पटाखों और दीया की गर्मी के कारण कान्टैक्ट लेंस आंखों में जलन पैदा कर सकते हैं।

आपात स्थिति में क्या करें : आपात स्थिति में अपने आप कोई उपचार ना करें। चोटिल भाग को न छेड़ें और न ही आंखों को मलें। अगर ये सुपरफिशियल इंज्युरी है तो आंखों को साफ पानी से धो लें। अगर आंखों से खून निकल रहा हो, दर्द हो या फिर साफ दिखाई न दे तो आंखों को ढंक लें और तुरंत किसी नेत्र विशेषज्ञ के पास ले जाएं। किसी भी आंख की चोट को मामूली न समझें क्योंकि छोटी सी चोट भी आंखों की दृष्टि छीन सकती है।





चीन से जुड़ा है पटाखों का इतिहास

दिवाली आते ही अब एक बार फिर से पटाखों की विस्फोटक चर्चा शुरू हो गई है। कुछ लोग पटाखें जलाने के पक्ष में रहते हैं तो कुछ इसे पर्यावरण और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाला बताकर आतिशबाजी के खिलाफ हैं। किसी भी मुद्दे पर इस तरह की सहमति और सहमति चलती रहेगी, यह आम बात है, लेकिन इस बीच यह जानना दिलचस्प होगा कि आखिर पटाखों या आतिशबाजी का इतिहास क्या है। रिपोर्ट के मुताबिक पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा।

यह भी कहा जाता है कि करीब 500 साल पहले एक शहजादी की शादी में आतिशबाजी की गई थी। इस दौरान कहा जाता है कि करीब 80 हजार के पटाखे जलाए गए थे। हालांकि इसमें कितने सच्चाई है यह किसी को नहीं पता, लेकिन अलग अलग रिपोर्ट से यही तथ्य उभरकर सामने आते हैं। चीन के बाद पटाखें यूरोप और अरब देशों में लोकप्रिय होने लगे। यहां कुछ खास मौकों पर या फिर अपनी जनता को खुश करने के लिए उस वक्त के राजा-महाराजा और शाषक आतिशबाजी करने लगे। वहीं बाद में अमेरिका की आजादी के मौके पर बड़े पैमाने पर आतिशबाजी की गई।

तमाम देशों की यात्रा करते हुए करीब 1400 या 1500 ईसवीं में इतिहास में पटाखों और आतिशबाजी का जिक्र मिलता है। जो अलग-अलग उत्सवों और शादियों आदि में किया जाता रहा है। मध्य युग में आतिशबाजी राजशाही परिवारों का अभिन्न हिस्सा था। बाद में धीरे-धीरे यह रौशनी के पर्व दिवाली का भी हिस्सा बन गया। और इतना प्रचलित हुआ कि आज तक हर छोटे बड़े उत्सव और आयोजन में आतिशबाजी की जाती है। हालांकि अब धीरे-धीरे ग्रीन पटाखों का चलन भी हो चला है। जानते हैं कितने फायदेमंद हैं ग्रीन पटाखें।

ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों को खास तरह से तैयार किया जाता है और माना जाता है कि इससे प्रदूषण काफी कम होता है। इन पटाखों से 30-40 फीसदी तक प्रदूषण को कम किया जाता है। इन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले नुकसानदायक कैमिकल नहीं होते हैं। ग्रीन पटाखों के लिए कहा जाता है कि इसमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता या फिर बहुत कम मात्रा में किया जाता है। इससे वायु प्रदूषण को बढ़ने से रोका जा सकता है। ग्रीन पटाखे दिखने में सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं और ग्रीन पटाखों की कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लॉवर पॉट, स्काईशॉट जैसे सभी तरह के पटाखे मिलते हैं। इन्हें भी माचिस की तरह जलाया जाता है, इसके अलावा इनमें खुशबू और वाटर पटाखे भी जाते हैं, जिन्हें अलग तरह से जलाया जाता है। इन पटाखों से रोशन भी होती है। ये सामान्य पटखों वाला फील देते हैं। बस ये पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। इन पटाखों को जलाने पर धुआं निकलता है और इसकी मात्रा कम होती है। हालांकि ये पटाखे सामान्य पटाखों से थोड़े महंगे होते हैं। जहां सामान्य पटाखों के लिए 250 रुपए तक खर्च करना पड़ता है, वहीं ग्रीन पटाखों के लिए 400 रुपये से ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है।

> पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा।

ग्रीन पटाखे क्या होते हैं किस तरह केमिकलयुक्त पटाखों से है अलग

बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण देश में कुछ जगहों पर पटाखे पूरी तरह से बैन कर दिए गए हैं तो कहीं पर सीमित मात्रा में जलाने की अनुमति दी जा रही है। पर्यावरण को बचाने के लिए ग्रीन पटाखे एक नया विकल्प सामने आया है। बताया जा रहा है कि इससे 30 से 40 फीसदी तक प्रदूषण कम होगा। साथ ही इनमें में नुकसानदायक केमिकल नहीं होते हैं। आइए जानते हैं ग्रीन पटाखे क्या होते है

ग्रीन पटाखे प्रदूषण को कम करता है। इन्हें बनाने में किसी प्रकार का एल्यूमिनियम, बेरियम, पोटेशियम-नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। अगर होते भी है तो मात्रा बहुत कम होती है। इसका सबसे बड़ा फायदा है यह वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करता है। यह दिखने में एकदम सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं केमिकल युक्त पटाखों की तरह ही और ग्रीन पटाखों में भी वह सभी वैरायटी उपलब्ध है। कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लावर पॉट,स्काई शॉट जैसे पटाखे हैं। उन्हें भी अन्य पटाखों की तरह ही माचिस से जलाया जाता है। यह खुशबू वाले भी आते हैं। लेकिन देखा जाए तो यह पटाखे केमिकल युक्त पटाखों से थोड़े महंगे होंगे। इसमें में केमिकल पटाखे की तरह धुंआ भी निकलेगा लेकिन वह हानिकारक नहीं होगा। केमिकल युक्त पटाखे 250 रूपए तक के पड़ते हैं वहीं ग्रीन पटाखे 400 रूपए तक के पड़ सकते हैं।

पटाखे जलाने से होता ये नुकसान

पटाखे जलाने से ज्यादा आबादी वाले शहरों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है, जो सर्दी के मौसम में एयर क्वालिटी इंडेक्स पहले से ही खराब स्थिति में है.कोरोना वायरस महामारी के बीच पटाखे जलाना और ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि प्रदूषण की वजह से इम्यूनिटी कमजोर होती है और लोगों को सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है.

क्या होते हैं ग्रीन पटाखे

खतरनाक और प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की जगह कई राज्यों ने ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है और लोगों में इसका क्रेज दिखाई दे रहा है.लेकिन क्या आपको पता है कि ग्रीन पटाखे क्या होते हैं और पुराने परंपरागत पटाखों से कैसे अलग होते हैं

नॉर्मल पटाखे से कितने अलग होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखे राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (गक्क्टक्र) की खोज हैं और ये आवाज से लेकर दिखने तक में पारंपरिक पटाखों जैसे ही होते हैं, लेकिन इनको जलाने पर प्रदूषण काफी कम होता है और ये सामान्य पटाखों की तुलना में 40 से 50 फीसदी तक कम हानिकारक गैस पैदा करते हैं.हालांकि ऐसा नहीं है कि ग्रीन पटाखों से प्रदूषण बिल्कुल भी नहीं होगा, हालांकि ये सामान्य पटाखों से कम हानिकारक हैं.

ग्रीन पटाखों में नहीं होते हैं हानिकारक रसायन

ग्रीन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले हानिकारक रसायन नहीं होते हैं.इनमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का प्रयोग नहीं किया जाता है या ग्रीन पटाखों में खतरनाक रसायनों की मात्रा काफी कम होती है.इस वजह से इन पटाखों से प्रदूषण कम होता है.

ग्रीन पटाखों से ध्वनि प्रदूषण भी होता है कम

ग्रीन पटाखों से वायु प्रदुषण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण भी कम होता है, क्योंकि ये साइज में थोड़े छोटे होते हैं और कम आवाज करते हैं.ग्रीन पटाखों से अधिकतम 110 से 125 डेसिबल ध्वनि प्रदूषण होता है, जबकि नॉर्मल पटाखों से 160 डेसिबल तक होता है.

महंगे होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों के कीमत की बात करें तो यह परंपरागत पटाखों की तुलना में थोड़े महंगे होते हैं.यदि आपके राज्य में सामान्य पटाखों पर रोक लगी है और ग्रीन पटाखों की इजाजत दी गई है तो आपको सरकार की ओर से रजिस्टर्ड दुकान पर ग्रीन पटाखे खरीद सकते हैं.इसके अलावा आप ग्रीन पटाखे ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं.

तकनीक के साथ बदलते पटाखे

तकनीकी विकास पटाखे के निर्माण में भी अपना असर दिखाने लगा है और नई तकनीक के साथ पटाखों की किस्म से लेकर पैकेजिंग तक बहुत कुछ बदल नजर आ रहा है.सीटी बजाते पटाखे, आसमान को रंगीन रौशनी से भरते पटाखे या फिर एक ही डिब्बे में कई तरह की आतिशबाजी समेटे पटाखे कुछ वर्ष पहले तक बाजार में नहीं थे.पर अब बाजार में सबसे ज्यादा माँग इन्हीं पटाखों की है.और तो और चीन से इस बार आई पटाखों की नई किस्म भी भारतीय बाजारों में त्योहारों के मद्देनजर हाथोंहाथ बिक रही है

बच्चों में सबसे ज्यादा माँग चीनी माउजर पिस्तौल की है.इस पटाखे छोड़नेवाली पिस्तौल में एक बार में दस गोलियाँ भरी और दागी जा सकती हैं.पटाखों की पैकेजिंग में भी खासा बदलाव आया है इस पिस्तौल की माँग का आलम यह है कि शुरुआत में 45-50 रूपए में मिल रही यह पिस्तौल अब 120 रूपए तक हो गई है.माना जा रहा है कि व्यापारी बढ़ी माँग को देखकर माल रोक रहे हैं और इसी वजह से इसके दामों में इजाफा हो गया है.पर व्यापारी इन पिस्तौलों की कम आपूर्ति के लिए आयातकों को दोष देने से नहीं चूक रहे.ऐसे ही एक व्यापारी किशन कुमार बताते हैं कि सारा मुनाफा तो आयातकों को हो रहा है.थोक या फुटकर विक्रेताओं को तो पूरा माल मिल ही नहीं रहा है और माँग काफी ज्यादा है.

रंगीन आतिशबाजी

पटाखों की किस्म में एक बड़ा बदलाव लोगों के बदलते मिजाज के चलते भी आया है.लोगों को अब आवाज करनेवाले पटाखों की जगह आसमान में ऊपर जाकर रंग बिखेरने वाले पटाखे ज्यादा पसंद आ रहे हैं.इसे देखते हुए तमाम पटाखा निर्माता कंपनियों ने इस बात का खासा ध्यान रखा है और बाजार ऐसे पटाखों से पटा हुआ है. पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है.पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है. 1875 से इसी कारोबार में लगे विष्णु बताते हैं, ''पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है. पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है.'' वो



बताते हैं, ''तकनीकी का ज्यादा असर बनाने पर कम पैकिंग पर ज्यादा हुआ है.पहले पैकेजिंग पर इतना ध्यान नहीं दिया जाता था पर अब इसपर काफी ध्यान दिया जा रहा है. जो रंग भारत में उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें हम चीन और बाकी देशों में आयात करते हैं.''

पहले तो कम किस्में थीं पर अब कई तरह के पटाखे मिल रहे हैं और इनमें आसमान में ऊपर जानेवाले पटाखे ज्यादा पसंद आते हैं. फिर विदेशों में जिन पटाखों का मजा लोग लेते थे, अब उन्हें भी हम यहाँ खरीद सकते हैं.''



राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने जवानों संग मनाई दिवाली

बागडोगरा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिवाली की पूर्व संध्या पर दार्जिलिंग के बागडोगरा एयरफील्ड में भारतीय सेना के जवानों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अग्निवीरों के लिए दो साल की अतिरिक्त सेवा का अवसर देने का जिक्र किया। राजनाथ सिंह ने कहा, शेष 75 प्रतिशत अग्निवीरों को उनकी इच्छा के आधार पर दो साल का एक और कार्यकाल देने का महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। इससे उन्हें देश की सेवा करने का एक और मौका मिलेगा। रक्षा मंत्री ने दिवाली की पूर्व संध्या पर जवानों के हौसले और त्याग को याद करते हुए कहा, त्योहार पर सभी को अपने घर की याद आती है। इन यादों को आप सभी अपने सीने में समेटकर देशवासियों की सुरक्षा में आप तत्पर हैं। इसे शब्दों में बयान करना आसान नहीं है। मैं आपकी इस तपस्या का अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि निर्धारित मानदंडों को पूरा करने वाले अग्निवीरों को नियमित सैनिक के रूप में सेना में शामिल होने का अवसर भी मिलेगा।

शरद पवार की सेहत में सुधार अस्पताल से मिली छुट्टी

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के प्रमुख शरद पवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। ब्रीच कैंडी अस्पताल के डॉक्टर प्रतीत समदानी ने जानकारी दी कि शरद पवार की हालत अब स्थिर है और अब उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। अब उनका इलाज घर पर ही जारी रहेगा। डॉक्टर के मुताबिक, उन्हें ब्रोंकाइटिस का अटैक आया था और सीने में संक्रमण भी हो गया था। हालांकि, अब उनकी सेहत में सुधार हो रहा है। डॉ. प्रतीत समदानी ने बताया कि शरद पवार को घर पर ही इलाज जारी रखने और सामान्य सावधानियों का पालन करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा उनकी उम्र को देखते हुए कुछ अतिरिक्त निर्देश भी दिए गए हैं। वे बहुत अनुशासित हैं और मुझे पूरा यकीन है कि वे अपना अच्छे से ख्याल रखेंगे। बता दें कि एनसीपी (शरद गुट) के प्रमुख और राज्यसभा सांसद शरद पवार को दो नवंबर को पुणे में तबीयत बिगड़ने के बाद वहीं एक क्लीनिक में भर्ती कराया गया था।

12 दिसंबर को परिवार संग अयोध्या जाएंगे अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 12 दिसंबर को परिवार के साथ अयोध्या जाएंगे। यहां वह राम मंदिर में रामलला के दर्शन करेंगे। सपा नेता और पूर्व मंत्री पवन पांडे ने अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे की तारीख की जानकारी दी। पवन पांडे के मुताबिक, अखिलेश यादव के साथ उनकी पत्नी डिंपल यादव, बेटा और बेटी भी अयोध्या पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि सपा प्रमुख का यह दौरा पूरी तरह धार्मिक होगा। अखिलेश यादव अयोध्या में पूरा दिन बिताएंगे। राम मंदिर में रामलला के दर्शन के बाद वह हनुमानगढ़ी भी जाएंगे। इस दौरान अखिलेश यादव साधु-संतों और महंतों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लेंगे। पवन पांडे ने बताया कि सपा प्रमुख संतों के साथ प्रसाद भी ग्रहण करेंगे। समाजवादी पार्टी प्रमुख इस साल 8 अक्टूबर को भागवत कथा में शामिल होने अयोध्या गए थे, लेकिन वे राम मंदिर नहीं गए, जिस पर सत्ताधारी भाजपा ने नाराजगी जताई थी।

भाजपा के गुंडों ने मेरे घर पर हमला किया : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। पुलिस अधिकारियों, जो रात की इस घटना की जांच कर रहे हैं, ने बताया कि शनिवार तड़के 2 बजे से 3:30 बजे के बीच दक्षिण कोलकाता के कालीघाट में, ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के आवास के बाहर दो गुटों के बीच लगातार हुई झड़पों में कथित तौर पर आठ लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह झड़प अभिषेक बनर्जी के 39वें जन्मदिन (7 नवंबर) की तैयारी कर रहे टीएमसी कार्यकर्ताओं और भारतीय जनता पार्टी समर्थकों के बीच हुई, हालांकि पुलिस ने किसी भी पार्टी का नाम नहीं लिया है। एक पुलिस अधिकारी ने सुबह करीब 7 बजे अपना नाम न बताने की शर्त पर कहा फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। बनर्जी के घर के बाहर पुलिस का भारी दस्ता तैनात किया गया है। कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस अधिकारी ने इन आरोपों की पुष्टि नहीं की कि दोनों पक्षों की ओर से हुई कथित पत्थरबाजी के दौरान पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे।

गोवा मंत्रिमंडल विस्तार, कैबिनेट में संकल्प अमोनकर शामिल

पणजी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक संकल्प अमोनकर ने शनिवार को गोवा की डॉ. प्रमोद सावंत के नेतृत्व वाली सरकार में कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। पिछले साल अक्टूबर में पूर्व कृषि मंत्री रवि नाइक के निधन के बाद से मंत्रिमंडल में यह पद खाली था। राज्यपाल पी. अशोक गजपति राजू ने डोना पाउला स्थित लोक भवन में आयोजित समारोह में अमोनकर को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। अमोनकर को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने से 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मोरमुगांव क्षेत्र में भाजपा की स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है। पूर्व कृषि मंत्री रवि नाइक का पिछले साल 15 अक्टूबर को 79 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। गोवा की राजनीति में प्रमुख स्थान रखने वाले नाइक दो बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे थे। वह सात बार विधानसभा के लिए चुने गए थे। अमोनकर ने 2022 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस के टिकट पर लड़ा था। उन्होंने मोरमुगांव सीट पर भाजपा के तीन बार के विधायक मिलिंद नाइक को 1,941 मतों से हराया था।

एसआईआर पर राहुल बिना होमवर्क फैला रहे भ्रम : जोशी



नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में कोई होमवर्क नहीं किया है। यह आरोप तब लगाया गया जब कांग्रेस नेता ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से कहा कि वे बहस की चुनौती को लेकर चल रहे विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भ्रमित न करें। गांधी के एक्स (ट्विटर) पोस्ट का जवाब देते हुए, जोशी ने कहा कि कांग्रेस नेता अमित शाह के एक काटे गए और संदर्भ से बाहर (आउट-ऑफ-कॉन्टेक्स्ट) वीडियो का इस्तेमाल कर रहे हैं।

प्रह्लाद जोशी नेलिखा कि गृह मंत्री अमित शाह जी का काटा हुआ और संदर्भ से बाहर का वीडियो फैलाना सिर्फ एक ही बात दिखाता है- एसआईआर के मामले में राहुल गांधी जी ने बिल्कुल भी होमवर्क नहीं किया है। राहुल जी, उलझन साफ तौर पर आपकी है, हमारी नहीं! जब आप चुनाव जीतते हैं, तो चुनावी प्रक्रिया आपको सही लगती है; लेकिन जब आप हार जाते हैं, तो वही प्रक्रिया अचानक सवालों के घेरे में आ जाती है। क्या लोकतंत्र के बारे में आपकी यही समझ है? जोशी ने आगे लिखा, आप 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव तब भी हार गए थे, जब कोई एसआईआर नहीं कराया गया था। क्या आप उन हार की जिम्मेदारी लेंगे या किसी और चीज को दोष देंगे?

जोशी ने कहा कि शाह पहले ही गांधी को संसद में इस मुद्दे पर चर्चा करने की खुली चुनौती दे चुके हैं, और अगर वे चाहें तो इसके लिए एक विशेष सत्र भी बुलाया जा सकता है। उन्होंने कहा, राहुल जी, अब बहुत हुआ यह राजनीतिक दिखावा। अपनी बात संसद में रखें और तथ्यों के साथ बहस करें। यह जुबानी जंग तब और तेज हो गई, जब गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ किसी भी मंच पर, कभी भी और कहीं भी खुली बहस करने की अपनी इच्छा फिर से दोहराई।

संसद के भीतर इस मुद्दे को उठाने की शाह की चुनौती का जवाब देते हुए, गांधी ने एक्स पर लिखा कि अमित शाह जी, मोदी जी को भ्रमित न करें। बस उन्हें मेरे साथ खुली बहस के लिए मना लें। कोई भी मंच हो, कभी भी हो। डरिए मत। यह विवाद मंगलवार को गांधी द्वारा सोशल मीडिया पर कराए गए एक पोल से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने युवाओं से पूछा था कि क्या वे उनके और प्रधानमंत्री मोदी के बीच बहस देखना चाहते हैं। इस पोल में उन्होंने भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं को भी टैग किया था, ताकि वे प्रधानमंत्री को इसके लिए मनाने में मदद कर सकें।

राहुल गांधी ने पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग पर केंद्र सरकार को घेरा

ई20 पेट्रोल में ज्यादा मिलावट का लगाया आरोप



नईदिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रमुख तेल विपणन कंपनियों पर आरोप लगाया है कि वे पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा तय सीमा (20 प्रतिशत) से अधिक मिला रही हैं। उन्होंने कर्नाटक के सात जिलों से लिए गए ईंधन के नमूनों की प्रयोगशाला जांच का हवाला दिया है। शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने दावा किया कि एक मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में जांचे गए 14 नमूनों में से 11 में इथेनॉल की मात्रा 20 प्रतिशत से अधिक पाई गई। केंद्र के इथेनॉल-ब्लेंडिंग कार्यक्रम पर निशाना साधते हुए गांधी ने कहा ई20, 420 में बदल गया है - यानी लोगों की गाड़ियों से पेट्रोल की चोरी हो रही है! उन्होंने सरकारी और निजी, दोनों तरह की ईंधन कंपनियों पर तय सीमा से ज़्यादा इथेनॉल मिलाने का आरोप लगाया और उनकी टेस्टिंग प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए। गांधी द्वारा बताए गए आंकड़ों के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के नमूनों में इथेनॉल की मात्रा क्रमशः 31.2 प्रतिशत और 30.5 प्रतिशत पाई गई।

ये नमूने कर्नाटक के सात जिलों - बेंगलुरु, कोलार, चिक्कबल्लापुरा, बेंगलुरु ग्रामीण, रामनगर, मंगलुरु और तुमकुरु से लिए गए थे। गांधी ने उन कंपनियों के नाम भी बताए जिनके ईंधन के नमूनों को इस जांच प्रक्रिया में शामिल किया गया था; इनमें भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), नायरा एनर्जी और शेल शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि कंपनियों की अपनी प्रयोगशालाएं नमूनों में मौजूद इथेनॉल की मात्रा का खुलासा करने में विफल रहीं। उन्होंने कहा मोदी जी, हमें बताएं - देश के टैंकों में क्या डाला जा रहा है? पेट्रोल में असल में कितना इथेनॉल है? 20% से ज़्यादा इथेनॉल मिलाने वाली कंपनियों के खिलाफ़ कब कार्रवाई की जाएगी? और बहस की चुनौती अभी भी कायम है। हम इसमें एक और मुद्दा भी जोड़ेंगे। आपकी नीतियों से असल में किसे फ़ायदा हो रहा है?

यह विवाद कर्नाटक सरकार और तेल विपणन कंपनियों के बीच राज्य के रिटेल आउटलेट्स पर बिकने वाले पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा को लेकर चल रहा है। कर्नाटक के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री रिज़वान अरशद ने पहले कहा था कि बेंगलुरु स्थित श्रीराम रिसर्च इंस्टीट्यूट (जो एनएबीएल से मान्यता प्राप्त और आईएसओ-प्रमाणित है) द्वारा की गई जांच में, कई नमूनों में इथेनॉल की मात्रा तय सीमा (20 प्रतिशत) से अधिक पाई गई। राज्य सरकार ने बताया कि शुरुआत में इन नमूनों को आईओसीएल और बीपीसीएल की अपनी प्रयोगशालाओं में भेजा गया था, लेकिन उनकी रिपोर्ट में इथेनॉल की मात्रा का खुलासा नहीं किया गया। इसके बाद सरकार ने स्वतंत्र जांच कराने का फैसला लिया।

सार्वजनिक क्षेत्र की तीन तेल विपणन कंपनियों आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल— ने पेट्रोल में इथेनॉल की अत्यधिक मिलावट के संबंध में कर्नाटक सरकार के निष्कर्षों पर सवाल उठाए हैं। कंपनियों का कहना है कि ये दावे निर्धारित प्रक्रियाओं के तहत किए गए परीक्षणों से साबित नहीं होते हैं।

सोनिया गांधी पर बरसे केंद्रीय मंत्री सिंह

देश में कभी सत्ता में नहीं लौटेगी कांग्रेस : गिरिराज



नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 7 नवंबर को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सोनिया गांधी को सलाह दी कि वे भारत में कांग्रेस पार्टी के फिर से सत्ता में आने की उम्मीद छोड़ दें। सिंह ने कहा कि पिछले 40 वर्षों में कांग्रेस ने नौ अलग-अलग राज्यों में शासन नहीं किया है। सोनिया गांधी की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने बेटे - लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी - को लॉन्च करने की कोशिश करते-करते थक गई हैं। उन्होंने सोनिया गांधी पर बिना नागरिकता के 12 साल तक भारत में रहने का आरोप भी लगाया और दावा किया कि उन्होंने गैर-कानूनी तरीके से वोट डाला था।

सिंह ने कहा कि सोनिया गांधी, भगवान आपको लंबी उम्र दे। आप अपने बेटे को लॉन्च करने की कोशिश करते-करते थक गई हैं। आप लोकतंत्र की बात करती हैं? आपको शर्म आनी चाहिए। आप बिना नागरिकता के 12 साल तक इस देश में रहीं, और आरोप है कि आपने वोट भी डाला। आपके बेटे की नागरिकता को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। सिंह ने जोर देकर कहा कि इन महत्वाकांक्षाओं को छोड़ दें। 10 साल में वापसी की तो बात ही भूल जाइए; कांग्रेस इस देश में कभी सत्ता में वापस नहीं आएगी। पिछले 40 सालों से आप नौ अलग-अलग राज्यों में सत्ता से बाहर हैं।

उन्होंने गांधी परिवार पर भारत में गृहयुद्ध भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सोनिया गांधी, उसी कांग्रेस पार्टी से आती हैं जिसने आपातकाल (इमरजेंसी) लगाया था और लोगों की आवाज़ दबा दी थी, और आज वे लोकतंत्र की बात कर रही हैं! आप और आपके बेटे भारत में गृहयुद्ध भड़काने की कोशिश कर रहे हैं; आपकी यह महत्वाकांक्षा भी कभी पूरी नहीं होगी। गांधी की टिप्पणी के जवाब में, कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने अपना समर्थन जताया और भाजपा शासन के तहत संविधान के साथ हो रहे समझौतों (छेड़छाड़) पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, बिल्कुल! वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में हमारी रैंकिंग नीचे गिरी है। जेन जेड (नई पीढ़ी) से लेकर सैनिक तक, सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। आईटी, ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल करके संविधान को कई तरह से कमजोर किया गया है। वे आरक्षण को लेकर और ज्यादा भ्रम पैदा कर रहे हैं। उन्होंने भारत के चुनाव आयोग पर कब्जा कर लिया है और राज्यों तथा राष्ट्रीय स्तर पर अपने मनमुताबिक जनादेश तैयार कर रहे हैं। भाजपा ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए पूरी व्यवस्था से समझौता किया है; उन्होंने खुद भी माना है कि वे भारत के संविधान को बदलना चाहते हैं।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने भी सोनिया गांधी की टिप्पणियों का बचाव करते हुए कहा कि ये बातें सच्चाई पर आधारित हैं, तथ्यों पर टिकी हैं और इनका इतिहास में आधार है। उन्होंने समान दर्जे से जुड़े संविधान के कई अनुच्छेदों को निशाना बनाने के लिए भाजपा और उसके पूर्ववर्ती संगठन जनसंघ की आलोचना की। साथ ही, उन्होंने उन पर अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचाने, विदेश नीति को कमजोर करने और देश के सामाजिक ताने-बाने को नष्ट करने का आरोप भी लगाया।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत ने दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड को 4 रनों से हराया



वेलिंग्टन। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में डकवर्थ लुईस नियम के हिसाब से चार रन से जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, 135 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की हालत खराब हो गई थी। टीम ने 26 ओवर में सात विकेट गंवाकर 113 रन बनाए थे और उसे जीत के लिए 22 रन की जरूरत थी। तभी बारिश ने मुकाबले में खलल डाल दिया। काफी इंतजार के बावजूद खेल दोबारा शुरू नहीं हो सका। ऐसे में डकवर्थ लुईस (ठ्ठस्रू) नियम के तहत भारत को चार रन से विजेता घोषित कर दिया गया। एक समय न्यूजीलैंड की टीम जीत की उम्मीद करने लगी थी, लेकिन बारिश ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

दरअसल, बारिश के कारण वेलिंग्टन में खेला गया यह दूसरा वनडे एक घंटे की देरी से शुरू हुआ था। सुबह साढ़े सात बजे की जगह मैच सुबह साढ़े आठ बजे शुरू हुआ था। अंपायर्स ने ओवर्स में कटौती भी की थी और मैच 47-47 ओवर का कर दिया गया था। हालांकि, न्यूजीलैंड की टीम 41 ओवर में 134 रन पर सिमट गई थी। भारतीय टीम को जीत के लिए 135 रन का लक्ष्य मिला था। छोटे लक्ष्य के बावजूद भारतीय बल्लेबाजों ने निराश किया और नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। कप्तान शुभमन गिल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए, जबकि विराट कोहली सात रन ही बना सके। रोहित शर्मा ने 23 रन की पारी खेली, लेकिन वह भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। अक्षर पटेल सात रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी हुई। श्रेयस 46 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

दिवाली पर देशभर में 5 लाख करोड़ के कारोबार की उम्मीद

नई दिल्ली। दिवाली का त्योहार इस बार देशभर के व्यापारियों के लिए कारोबार के बड़े अवसर लेकर आ रहा है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स से जुड़े चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के अनुमान के मुताबिक, दिवाली के त्योहारी सीजन में देशभर में लगभग 5 लाख करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में करीब 80 हजार करोड़ रुपए का व्यापार होने का अनुमान है। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि विभिन्न व्यापारिक संगठनों, होटल एवं बैंक्वेट एसोसिएशन्स, रेस्टोरेंट, मॉल, सिनेमा, शॉपिंग सेंटर, कार डीलर्स, टूर एंड ट्रैवल तथा मार्केट और इंडस्ट्री एसोसिएशन्स से बातचीत के आधार पर यह अनुमान लगाया गया है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वाहनों की कुल खुदरा बिक्री में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

आज भी खुलेगा शेयर बाजार 2.20 बजे होगी मुहूर्त ट्रेडिंग

नई दिल्ली। दीपावली 2026 के अवसर पर भारतीय स्टॉक मार्केट एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने परंपरा को कायम रखते हुए घोषणा की है कि मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए विशेष सत्र रविवार, 8 नवंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा। हर साल, बीएसई, एनएसई और कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स दिवाली के मौके पर विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित करते हैं। संवत 2083, यानी नए हिंदू वित्तीय वर्ष की शुरुआत के उपलक्ष्य में, स्टॉक एक्सचेंज रविवार दोपहर 2.20 बजे से 3.30 बजे तक विशेष दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित करेंगे। बता दें, मुहूर्त ट्रेडिंग को एक शुभ समय माना जाता है, जब शेयर बाजार का एक विशेष सत्र आयोजित किया जाता है. रविवार का सत्र नए हिंदू वित्तीय वर्ष, संवत 2083 की शुरुआत का प्रतीक होगा।

म्यूचुअल फंड से फायदा कराने में 12 देशों से आगे निकला भारत

नईदिल्ली। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। पिछले 30 साल के आंकड़ों के मुताबिक, भारत के इक्विटी मार्केट ने औसतन करीब 13% सालाना रिटर्न दिया है। इससे पता चलता है कि लंबे समय तक शेयर बाजार में निवेश करने से अच्छा रिटर्न मिल सकता है। डीएसपी म्यूचुअल फंड की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 15 ग्लोबल बाजारों में बेहतर परफॉर्म करने वाले देशों में शामिल है। इस रिपोर्ट में एसआईपी और एकमुश्त (एक बार में जमा होने वाली रकम) निवेश के रिटर्न की तुलना की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में पिछले 30 साल में एसआईपी के जरिए निवेश करने पर करीब 13.3% सालाना रिटर्न मिला। वहीं, एकमुश्त निवेश पर लगभग 13% रिटर्न रहा। ब्राजील इस लिस्ट में पहले स्थान पर है। वहां एसआईपी से 14.8% औरएकमुश्त निवेश से 16.4% रिटर्न मिला। इसके बाद भारत का स्थान रहा।

07 नवंबर 2026 को सोने-चांदी हुआ सस्ता

नईदिल्ली। शनिवार को भारत में सोने का भाव 24 कैरेट के लिए 14,357 रुपए प्रति ग्राम है। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 13,160 रुपए और 18 कैरेट गोल्ड का रेट 10,768 रुपए प्रति ग्राम है। शहरों के हिसाब से देखें तो चेन्नई, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु में 24 कैरेट सोना 14,357 रुपए प्रति ग्राम पर है। जबकि दिल्ली, जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ में इसका भाव 14,360 रुपए से 14,372 रुपए प्रति ग्राम के बीच दर्ज किया गया है। चांदी की कीमत शनिवार को भारत में 205 रुपए प्रति ग्राम और 2,05,000 रुपए प्रति किलो है। इस हिसाब से 10 ग्राम चांदी 2,050 रुपए और 100 ग्राम का भाव 20,500 रुपए है। ज्यादातर प्रमुख शहरों में चांदी का भाव समान है, जबकि नासिक में 1 किलो चांदी की कीमत 2,04,900 रुपए दर्ज की गई है।

यूरोपीय संघ और ब्रिटेन का कार्बन टैक्स भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ी चुनौती

अमिता बत्रा

महज 60 दिन से कुछ अधिक वक्त में कार्बन सीमा समायोजन व्यवस्था (सीबीएएम) यूनाइटेड किंगडम (यूके) और यूरोपीय संघ (ईयू) में पूरी तरह लागू हो जाएगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इन दोनों अर्थव्यवस्थाओं में गैर-यूके और गैर-ईयू देशों के विनिर्माताओं और निर्यातकों को भी कार्बन उत्सर्जन की कीमत उसी आधार पर चुकानी पड़े जिस आधार पर वहां के घरेलू उत्पादक चुकाते हैं। यह व्यवस्था उनके व्यापक पर्यावरण के अनुकूल बदलाव के लक्ष्यों के संदर्भ में लागू की जा रही है।

भारत के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यूरोपीय संघ और ब्रिटेन अपने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत भारतीय निर्यातकों को 95 प्रतिशत से अधिक टैरिफ लाइनों में तरजीही बाजार पहुंच प्रदान करते हैं। ब्रिटेन के साथ एफटीए पहले ही लागू हो चुका है जबकि यूरोपीय संघ के साथ एफटीए पर इस साल के अंत तक हस्ताक्षर होने और 2027 में लागू होने की उम्मीद है।

ब्रिटेन का सीबीएएम पांच क्षेत्रों को कवर करता है एल्युमीनियम, सीमेंट, उर्वरक, हाइड्रोजन तथा लोहा और इस्पात। यूरोपीय संघ में जहां एक वर्ष की संक्रमण अवधि दी गई थी और इस दौरान केवल रिपोर्टिंग संबंधी दायित्व लागू थे वहीं ब्रिटेन का सीबीएएम 1 जनवरी 2027 से सीधे परिचालन चरण में प्रवेश करेगा।

निर्धारित उत्पाद श्रेणियों में एक निश्चित मूल्य-आधारित सीमा से अधिक के आयात पर कार्बन कर चुकाने की जिम्मेदारी आयातक की होगी। साल की शुरुआत में ब्रिटेन ने अपने सीबीएएम विनियम, 2026 के तहत भारत की कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग प्रणाली (सीसीटीएस) को मान्यता दी थी। नतीजतन



ब्रिटेन का आयातक कार्बन मूल्य के बदले क्रेडिट का लाभ लेने का पात्र हो जाता है। भारतीय निर्यातक को इसका लाभ आयातक के साथ कीमत पर बातचीत के जरिये मिल सकता है।

इस छूट का लाभ लेने के लिए आयातक को आयातित वस्तु में निहित कार्बन उत्सर्जन के सत्यापन और उससे जुड़े दस्तावेजीकरण की आवश्यकताएं पूरी करनी होंगी। ब्रिटेन में सीसीटीएस का लाभ उठाने के लिए उत्सर्जन की निगरानी और मापन, रिपोर्टिंग तथा सत्यापन की सटीकता और प्रामाणिकता के साथ-साथ उत्पादक/निर्यातक द्वारा वास्तव में किए गए खर्च का सही आकलन भी बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत के कई सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के पास संभवतः इतनी क्षमता या संसाधन नहीं हैं कि वे उत्पादन प्रक्रिया में उत्सर्जित कार्बन की निगरानी और रिकॉर्ड रख सकें तथा ब्रिटेन के अधिकारियों की ओर से अपेक्षित ठोस और व्यवस्थित साक्ष्य संबंधी जरूरतों को पर्याप्त रूप से पूरा कर सकें। भारत की सीसीटीएस अभी शुरुआती चरण में है और इसे विकसित होने में समय लगेगा।

इसलिए फिलहाल ब्रिटेन की ओर से सीसीटीएस को मान्यता दिए जाने से भारतीय निर्यातकों को मिलने वाला लाभ या छूट सीमित हो सकती है। फिलहाल यूरोपीय संघ की कार्बन सीमा समायोजन व्यवस्था (ईयू सीबीएएम) छह क्षेत्रों पर लागू है जिनमें बिजली भी शामिल है। जबकि ब्रिटेन के सीबीएएम में पांच क्षेत्र शामिल हैं।

ब्रिटेन कर लगाने के लिए उत्सर्जन की तीव्रता को आधार बनाता है वहीं यूरोपीय संघ की सीबीएएम व्यवस्था आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न चरणों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों तरह के वास्तविक उत्सर्जन के अत्यंत विस्तृत आंकड़ों पर आधारित है। ब्रिटेन में अप्रत्यक्ष उत्सर्जन की रिपोर्टिंग को कम-से-कम 2029 तक के लिए टाल दिया गया है। इसलिए उत्पादन मूल्य श्रृंखला और उससे जुड़े उत्सर्जन की विस्तृत मैपिंग महत्वपूर्ण है क्योंकि यूरोपीय आयोग इसी के अनुरूप संदर्भ के लिए मूल्य निर्धारित करेगा।

उत्सर्जन आंकड़ों का सत्यापन यूरोपीय संघ की मान्यता प्राप्त संस्थाओं से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र सत्यापनकर्ताओं द्वारा किया जाना होगा। मान्यता प्राप्त सत्यापनकर्ता 2026 में वास्तविक उत्सर्जन पर सत्यापित रिपोर्ट जारी करना शुरू कर सकते हैं। ये रिपोर्ट 1 जनवरी 2027 से ईयू सीबीएएम रजिस्ट्री के माध्यम से उपलब्ध होंगी।

रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा को राष्ट्रीय स्वच्छता सम्मान, 11 नवंबर को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

रायपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में छत्तीसगढ़ के तीन शहरों रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा का राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन हुआ है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 11 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में इन शहरों को सम्मानित करेंगी। यह उपलब्धि प्रदेश में स्वच्छता के निरंतर प्रयासों, सफाई मित्रों के समर्पण और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का परिणाम है। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य सरकार को पत्र भेजकर इसकी औपचारिक जानकारी दी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा सफाई मित्रों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होना पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह सम्मान हजारों सफाई मित्रों के परिश्रम और जागरूक नागरिकों की सहभागिता का फल है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को जनआंदोलन बताया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी शहरों में बेहतर स्वच्छता व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भी तीनों नगरीय निकायों की टीमों और नागरिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय सम्मान अन्य नगरीय निकायों के लिए प्रेरणा बनेगा।

राष्ट्रीय सम्मान का महत्व

मंत्रालय के सचिव सतेंद्र सिंह ने राज्य की स्वच्छता गतिविधियों और नागरिक सहभागिता की सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के तीन शहरों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन सामूहिक भागीदारी से उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्शाता है। स्वच्छ सर्वेक्षण का यह दसवां संस्करण है। यह राष्ट्रीय पहचान प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करेगी। यह उपलब्धि दृढ़ इच्छाशक्ति, बेहतर प्रबंधन और जनसहयोग से राष्ट्रीय पहचान बनाने की प्रेरणा है।

स्वच्छता अभियान की थीम और भागीदारी

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की थीम स्वच्छता की नई पहल - बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ है। यह थीम सामूहिक जिम्मेदारी, जनजागरूकता और नागरिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित करती है। रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा का चयन दर्शाता है कि प्रशासनिक व्यवस्थाओं के साथ नागरिकों का सहयोग आवश्यक है। नगरीय निकायों के कर्मचारियों और सफाई मित्रों के प्रयासों ने इन शहरों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। साफ-सफाई की नियमित व्यवस्था और जागरूकता स्वच्छ शहरी जीवन की आधारशिला है।

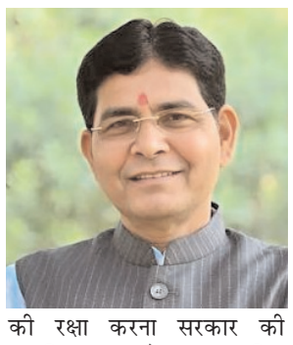
समारोह में सफाई मित्रों को विशेष महत्व

राष्ट्रीय सम्मान समारोह में सफाई मित्रों और मैदानी कर्मचारियों की भागीदारी को विशेष महत्व मिलेगा। केंद्रीय मंत्रालय ने राज्य और चयनित शहरों के प्रतिनिधिमंडलों में सफाई मित्रों को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। प्रत्येक शहर से चार प्रतिनिधियों को मंच पर सम्मान ग्रहण करने का अवसर मिलेगा। यह पहल उन कर्मयोगियों के योगदान को राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाएगी। समारोह में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और राज्य मंत्री तोखन साहू भी उपस्थित रहेंगे। यह राष्ट्रीय उपलब्धि छत्तीसगढ़ को स्वच्छ, सुंदर, स्वस्थ और विकसित राज्य बनाने के संकल्प को नई दिशा देगी, जिससे पूरे प्रदेश में स्वच्छता प्रयासों को नई ऊर्जा मिलेगी।

विद्यार्थियों की सुरक्षा व मानसिक स्वास्थ्य को मिलेगी प्राथमिकता

छग में कोचिंग सेंटरों के संचालन के लिए बनेगा नया कानून

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में संचालित कोचिंग सेंटरों की कार्यप्रणाली को पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने तथा विद्यार्थियों के हितों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 का प्रारूप तैयार किया गया है। प्रस्तावित कानून के माध्यम से कोचिंग संस्थानों के संचालन में अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाएगी।



उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार विद्यार्थियों को सुरक्षित, सकारात्मक और तनावमुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और अभिभावकों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। प्रस्तावित छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 के प्रारूप से कोचिंग संस्थानों की जवाबदेही बढ़ेगी तथा विद्यार्थियों को अनावश्यक शैक्षणिक दबाव, मनमानी फीस और अन्य समस्याओं से राहत दिलाने में मदद मिलेगी।

विधेयक के प्रारूप में 20 अथवा अधिक विद्यार्थियों वाले कोचिंग सेंटरों का पंजीकरण अनिवार्य करने, पांच वर्ष की पंजीकरण वैधता, शुल्क संबंधी पारदर्शिता, पाठ्यक्रम छोड़ने पर शुल्क वापसी तथा छात्रावासों की सुरक्षा के प्रावधान प्रस्तावित हैं। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए परामर्श व्यवस्था, उत्पीड़न संबंधी शिकायतों के निराकरण और चौबीसों घंटे हेल्पलाइन की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। विधेयक के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्यस्तरीय प्राधिकरण तथा जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में जिला समितियों के गठन का प्रावधान है। नियमों के उल्लंघन पर दस हजार से पांच लाख रुपये तक की शास्ति तथा गंभीर मामलों में पंजीकरण निरस्त करने की व्यवस्था प्रस्तावित है।

उच्च शिक्षा विभाग ने छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 के प्रारूप को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाने के लिए अभिभावकों, शिक्षाविदों, युवाओं, हितधारकों और आम नागरिकों से सात दिनों के भीतर सुझाव एवं अभिमत आमंत्रित किए हैं।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती आदिवासी गौरव दिवस के रूप में मनाया जाए : दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को भारतीय जनता पार्टी जनजाति गौरव दिवस मना रही है। भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी समाज के गौरव के प्रतीक थे, उनकी जयंती को जनजाति गौरव नहीं आदिवासी गौरव दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। इसमे शामिल होने के लिये भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आ रहे है आदिवासी समाज अपने आप को जनजाति और वनवासी बोलने का विरोध कर रहे है। भाजपा आदिवासी को जनजाति बनाने का षड्यंत्र कर रही है। आदिवासियों की पहचान छीनने के भाजपा आरएसएस के प्रयास



आदिवासी समाज विरोध करता है। हम आदिवासी है आदिवासी रहेंगे लेकिन भारतीय जनता पार्टी वनवासी बनाने को लगी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा ने विश्व आदिवासी दिवस का विरोध किया था। विश्व आदिवासी दिवस के दिन अपने परंपरा को लेकर आदिवासी समाज गौरव महसूस कर रहा था। आदिवासी दिवस दिन कार्यक्रम कर रहे थे और भाजपा जनजाति बनाने में तुले हुये है। मंत्रालय का नाम भी बदल दिया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि आदिवासी समाज को चिढ़ाने के लिये जनजाति गौरव दिवस मनाने जा रहे है। जब आदिवासी समाज के लोग इसका विरोध कर रहे तो भाजपा जबरदस्ती थोपने का काम रही है। भाजपा को किसी समाज की पहचान हक को छीनने का हक नही हैं। आदिवासी समाज अपने आपको आदिवासी मानता है तो भाजपा को कोई हक नहीं आदिवासियों को जनजाति बनाने का।

दिवाली में अलर्ट मोड पर मेकाहारा अस्पताल

8 और 9 नवंबर को बंद रहेगी ओपीडी, इमरजेंसी सेवाएं रहेंगी चालू



रायपुर। दीपावली त्योहार के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राजधानी रायपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) में अलर्ट जारी किया गया है। अस्पताल प्रबंधन ने सभी विभागों को सतर्क रहने और आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने सभी विभागों को जरूरी दवाइयों, इंजेक्शन और जीवनरक्षक मेडिकल उपकरणों का पर्याप्त स्टॉक रखने को कहा है। इसके साथ ही डॉक्टरों, नर्सों और अन्य मेडिकल स्टाफ को भी आपातकालीन सेवाओं के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि त्योहार के दौरान आने वाले मरीजों को इलाज में देरी न हो।

दीपावली और गोवर्धन पूजा के अवकाश के चलते मेकाहारा अस्पताल की ओपीडी दो दिनों तक बंद रहेगी। 8 नवंबर को रविवार और 9 नवंबर को गोवर्धन पूजा का अवकाश होने के कारण मरीजों को नियमित ओपीडी की सुविधा नहीं मिलेगी। हालांकि, इस दौरान अस्पताल की इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे संचालित रहेंगी।

10 से फिर शुरू होगी सेवा

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, 7 नवंबर को छोटी दीपावली यानी नरक चतुर्दशी के दिन ओपीडी सामान्य रूप से संचालित होगी। इसके बाद 8 और 9 नवंबर को ओपीडी बंद रहेगी। 10 नवंबर मंगलवार से ओपीडी की नियमित सेवाएं फिर शुरू हो जाएंगी। अस्पताल प्रबंधन ने त्योहार के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आपात स्थिति में मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के लिए मेडिकल टीम को अलर्ट रहने को कहा गया है।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाए 16 फरवरी से

रायपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12 वीं बोर्ड परीक्षा 2027 के तिथियों की घोषणा कर दी है। दोनों क्लास की परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी। सभी पेपर सुबह 10:30 बजे से शुरू होंगे। बोर्ड के मुताबिक, 10वीं के छात्र 83 विषयों और 12वीं के छात्र 121 विषयों की परीक्षा देंगे। तिथि परीक्षा शुरू होने से 101 दिन पहले जारी की गई है। बोर्ड ने बताया कि परीक्षा कार्यक्रम कई बातों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इनमें शामिल हैं - छात्रों द्वारा आमतौर पर एक साथ चुने जाने वाले विषयों के पेपरों के बीच का अंतर, प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं का शेड्यूल, और हर परीक्षा केंद्र पर शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की संख्या। ष्टक्रस्श ने कहा कि उसने इस शेड्यूल को इस तरह से भी तैयार किया है ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान छात्रों को लंबे समय तक स्कूल से दूर न रहना पड़े। बोर्ड ने डेट शीट तैयार करते समय 40,000 से अधिक विषय संयोजनों पर विचार किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसी छात्र द्वारा चुने गए किन्हीं दो विषयों की परीक्षाएं एक ही दिन न पड़ें। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि स्कूलों द्वारा उम्मीदवारों की सूची जमा करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही यह शेड्यूल फाइनल किया गया। अब बोर्ड के पास छात्रों द्वारा चुने गए विषय संयोजनों का अंतिम डेटा मौजूद है। बोर्ड ने यह भी कहा कि परीक्षाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए, उसने प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की संख्या पर विचार किया है।

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार शिष्टाचार बन गया है : कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा है कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार सिस्टाचार बन गया है। जांच एजेंसियों के रिकॉर्ड चीख-चीखकर गवाही दे रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के आते ही भ्रष्टाचार बेलगाम हो गया है। सुशासन का ढिंढोरा पीटने वाली साय



सरकार के राज में राजस्व, स्कूल शिक्षा और पंचायत विभाग घूसखोरी और वसूली के सारे रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बने अभी तीन साल का वक्त नहीं हुआ है, लेकिन प्रदेश में भ्रष्टाचार और लूटपाट ने पिछली सारी हदें पार कर दी हैं। एसीबी और ईओडब्ल्यू के आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि इस सरकार ने रिश्वतखोरी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जनता अपने ही कामों के लिए दर-दर भटक रही है और सरकार के संरक्षण में दलाल तंत्र हावी है। यह सरकार सबका साथ, विकास नहीं बल्कि भ्रष्टों का विकास के एजेंडे पर काम कर रही है। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा है कि भाजपा सरकार के मंत्री और मुख्यमंत्री मंचों से जीरो टॉलरेंस और पारदर्शी व्यवस्था का ढोंग पीट रहे हैं, लेकिन एसीबी, ईओडब्ल्यू के आंकड़े बताते हैं कि थानों से लेकर मंत्रालय तक घूसखोरी के नए आयाम गढ़े जा रहे हैं।

महाराष्ट्र मंडल में संगीतमय दिवाली पहाट आज

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में नरक चतुर्दशी- दिवाली पर रविवार, आठ नवंबर को सुबह छह बजे दिवाली पहाट का संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किया गया है। चंद्रशेखर सुरावधनीवार के नेतृत्व में होने वाला यह परंपरागत कार्यक्रम भाव व भक्ति गीतों से ओतप्रोत रहेगा। कार्यक्रम के संयोजक प्रेम उपवंशी ने बताया कि चंद्रशेखर सुरावधनीवार के सुर में गणेश वंदना की प्रस्तुति से कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इस मौके पर गार्गी काले शास्त्रीय गायन प्रस्तुत करेंगी। सुप्रसिद्ध मराठी गीत माझे माहेर पंढरी और ध्यान लागले रामाचे चंद्रशेखर सुरावधनीवार गाकर कार्यक्रम को गति प्रदान करेंगे। श्रीकांत कोरान्ने जन्मोजन्मी बहुपुण्य केले के साथ युवा पीढ़ी से वर्तिका क्षीरसागर हीच आमुची प्रार्थना, प्रकृति दंडवते केव्हा तरी पहाटे के भक्तिगीत की प्रस्तुति से निश्चित ही श्रोता झूम उठेंगे। इनके अलावा सौम्येंद्र फड़के, अंजलि कान्हे के भक्तिगीत भी सुनने को मिलेंगे। कार्यक्रम में स्वेच्छा सुरावधनीवार का शास्त्रीय नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। समस्त गायकों- गायिकाओं के स्वर में भैरवी गायन के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। दिवाली पहाट का संचालन आध्यात्मिक समिति की चारुशीला देव करेंगी। कार्यक्रम के समापन के बाद भक्तजन रंगीन आतिशबाजी के साथ दीपावली व्यंजनों का लुत्फ ले सकेंगे।

पटवारियो की हड़ताल से व्यवस्थाये बिगड़ रही है : कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पटवारियों की हड़ताल से व्यवस्थायें बिगड़ रही है। भाजपा सरकार आंदोलनरत पटवारियों की जायज मांगों पर बातचीत कर समाधान निकालने के बजाय उन्हें सस्पेंड कर रही। सैकड़ो पटवारियों को सस्पेंड कर दिया गया, नौकरी में



ज्वाइन नहीं करने पर सर्विस इन ब्रेक की धमकी दी जा रही है। सरकार का यह रवैया बेहद अलोकतांत्रिक, तानाशाहीपूर्ण और निंदनीय है। कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें सस्पेंड करना भाजपा सरकार की दमनकारी कार्यशैली को उजागर करता है। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पटवारियों की हड़ताल के कारण धान खरीदी की तैयारी बाधित हो रही। किसान परेशान है उनका पंजीयन नहीं हो रहा। खसरा खतौनी दुरूस्त नहीं हो रहा है। सरकार जानबूझकर पटवारियों की हड़ताल को समाप्त नहीं करवा रही ताकि धान कम खरीदना पड़े। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पटवारी राजस्व विभाग द्वारा थोपे गए नए पीवी ऐप यानी फिजिकल वेरिफिकेशन ऐप का विरोध कर रहे हैं। इस ऐप के जरिए डिजिटल सर्वे और जीपीएस फोटो अपलोड करना अनिवार्य किया गया है, लेकिन ऐप में लगातार तकनीकी खामियां आ रही हैं।

मुख्यमंत्री साय का दिव्या पुरी को स्नेहभरा पत्र

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर छात्रा दिव्या पुरी को पत्र लिखकर उन्हें राज्य स्थापना दिवस की उनको और उनके परिवार को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री का यह स्नेहभरा पत्र मिलने पर दिव्या पुरी ने इसे अपने



जीवन का गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में दिव्या को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने पढ़ाई में मन लगाने, अपनी पसंद की राह चुनने और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने दिव्या के पिता द्वारा शिक्षा में सहयोग किए जाने और श्रम विभाग की नोनी सशक्तिकरण योजना से प्राप्त राशि का उपयोग पढ़ाई में होने पर प्रसन्नता जाहिर की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के संकल्प के अनुरूप बेटियों की शिक्षा को विशेष महत्व दिया जा रहा है। विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में बेटियों की शिक्षा एवं आत्मनिर्भरता की अहम भूमिका है।

मिठाई, मावा, पनीर एवं अन्य खाद्य पदार्थों के लिए गए नमूने, विभिन्न प्रतिष्ठानों का किया गया निरीक्षण

दीपावली पर्व को देखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा विशेष सघन खाद्य सुरक्षा अभियान संचालित

सक्ती। जिले में आम नागरिकों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने तथा आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर के आदेश एवं उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार दीपावली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए विशेष सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान मितल ट्रेडर्स सक्ती से सोनपापड़ी एवं सूजी, पिहू होटल फगुराम से मिल्क



केक, होटल देवराज से मलाई पेड़ा, सकर्रा के मामा-भांजा होटल एंड स्वीट्स से क्रीम रोल (स्वीट्स), अन्नपूर्णा होटल बाराद्वार से रसगुल्ला, मधुर स्वीट्स जैजैपुर से चमचम, सूर्या होटल एंड स्वीट्स हसौद से बूंदी लड्डू और कलाकंद, ननकीदाऊ मिष्ठान भंडार हसौद से पेड़ा तथा महाराजा होटल चंद्रपुर से बूंदी का नमूना लिया गया एवं जांच हेतु राज्य प्रयोगशाला भेजा गया। परीक्षण के पश्चात खाद्य पदार्थ अमानक स्तर के पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत न्यायालयीन कार्यवाही की जाएगी।

जिला सक्ती में स्थित अन्नपूर्णा स्वीट्स चंद्रपुर, यादव होटल चंद्रपुर, बीकानेर स्वीट्स जैजैपुर, शिव शक्ति जोधपुर होटल, नटराज स्वीट्स, बनारसी होटल एवं छेदी होटल का भी निरीक्षण किया गया। साथ ही रैपिड टेस्ट किट की सहायता से मौके पर ही मिठाइयों और खोया का परीक्षण किया गया। जिन फर्मों में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के नियमों और शर्तों के अधीन कार्य संचालन नहीं पाया गया, उन फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है एवं संतुष्टिजनक जवाब नहीं मिलने पर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। संयुक्त जांच दल में तहसीलदार सक्ती श्री लीलाधर चंद्रा के साथ राजस्व विभाग से नायब तहसीलदार जागृति आनंद एवं श्री पद्म लोचन पटेल, अभिहित अधिकारी श्री अहसान तिग्गा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी निखिलेश साहू, शांतनु भट्टाचार्य एवं सरिता मरावी शामिल रहे।

महाराष्ट्र मंडल ने दिवाली पर जरूरतमंदों को वितरित किए रेडीमेड कपड़े

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल की युवा समिति ने प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी बंजारी नगर सहित विभिन्न स्थानों पर हर आयु के जरूरतमंदों को बड़े पैमाने पर रेडिमेड कपड़ों का वितरण किया। दीपावली के अवसर पर युवा समिति के समन्वयक शुभम् पुराणिक ने अपनी टीम को एकजुट किया और महाराष्ट्र मंडल के समस्त प्रकल्पों पर लगभग पखवाड़े भर पहले सभासदों व समाजसेवियों की मदद से रेडिमेड कपड़े जुटाए, ताकि हम सभी की दिवाली नये कपड़ों के साथ, खुशियों के साथ, हर्षोल्लाह के साथ मने। इसी समर्पण की भावना के साथ महाराष्ट्र मंडल की युवा समिति ने



शुभम् पुराणिक के नेतृत्व में श्रावणी मुकादम, उदित बक्षी, आदित्य गृहे, अक्षदा मातुरकर सहित अनेक युवा सभासदों ने जरूरतमंद लोगों को रेडिमेड कपड़े वितरित किए।

महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले, सचिव चेतन गोविंद दंडवते सहित पूरी कार्यकारिणी ने कपड़े समर्पित करने वाले सभासदों और समाजसेवियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही अपेक्षा भी की कि भविष्य में महाराष्ट्र मंडल को सेवाभावी कार्यों में इसी तरह सभी का प्रेरक सहयोग मिलेगा। कार्यकारिणी ने उन जरूरतमंद लोगों के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की, जिन्होंने अपनी दिवाली को और भी खूबसूरत व अविस्मरणीय बनाने के लिए महाराष्ट्र मंडल के कपड़ों को स्वीकार किया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.